वर्ष : 16 ❖ अंक : 142 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 31 दिसम्बर 2021

दिल्ली में ओमिक्रॉन का कम्युनिटी स्प्रेड शुरू : सत्येंद्र जैन 3

जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर बनेंगे यूपी के युवा : योगी 8

2024 में एसडीएफ की सरकार बनेगी : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 दिसम्बर । करीब तीन महीना दिल्ली रहने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और एसडीएफ पार्टी सुप्रीमो पवन चामलिंग सिक्किम लौटे है। एसडीएफ पार्टी के समर्थकों ने आज उनका पश्चिम बंगाल के बागडोगरा हवाईअड्डे पर स्वागत किया गया।

बागडोगरा में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए पवन चामलिंग ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव 2024 में सिक्किम में एसडीएफ की सरकार बनेगी। उन्होंने सीएम प्रेम सिंह तमांग (गोले) द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि अगर एसकेएम सरकार को हमने अस्थिर करने का प्रयास किया है तो प्रमाण दें, उन्होंने यह भी कहा कि अगर मुख्यमंत्री गोले आधिकारिक कार्यक्रम से ऐसा बोलते है तो उन्हें अपने विधायकों और मंत्रियों पर भरोसा नहीं है। उन्होंने पत्रकारों के द्वारा लिम्बू-तमांग सीट आरक्षण, सीबीआई जांच और करमापा के सिक्किम आगमन पर पूछे गए सवालों का उत्तर देते हुए पवन चामलिंग ने कहा कि सीबीआई को सिक्किम लाना या नहीं लाना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार में है, वह सीबीआई लाना चाहते है या नहीं, सीबीआई भ्रष्टाचार और सदाचार की जांच के लिए है, लेकिन इसे विपक्ष को निशाना बनाने के लिए राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए और अगर सीबीआई प्रवेश भी करती है तो वह मिंतोकगांग से जांच शुरू करेगी, याद रखें।

पत्रकारों के द्वारा जब मुख्यमंत्री गोले के द्वारा लगाए गए राजनीतिक हत्याओं के आरोप पर उन्होंने कहा कि फिलहाल प्रेम सिंह तमांग खुद सीएम हैं वह मामले की जांच कर सकते हैं मुझे कोई समस्या नहीं है। उल्लेख किया जाता है कि सीबीआई का मुद्दा अब राज्य की बात है और सीएम गोले ने हाल ही में कहा था कि हम सीबीआई लाने के लिए जमीनी काम कर रहे हैं और जो लोग सवाल कर रहे थे कि सीबीआई अब कहां है, हम जल्द ही सिक्किम में सीबीआई लाएंगे।

दूसरी ओर हाल ही में सिक्किमे नागरिक समाज (एसएनएस) ने सीबीआई को सिक्किम में बड़े पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार से अवगत कराया है और सीबीआई जांच की मांग की है। मुख्य संरक्षक, छितेन टाशी भूटिया और अध्यक्ष भरत बस्नेत के नेतृत्व में एसएनएस टीम ने 17 नवम्बर 2021 को सीबीआई निदेशक से मुलाकात की और तत्काल कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही हाम्रो सिक्किम पार्टी ने भी कई बार सवाल किया था कि सीबीआई कहां है। पत्रकार के द्वारा उनके दिल्ली निवास को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि मैं शारीरिक रूप से नई दिल्ली में था लेकिन मेरा दिल-दिमाग सिक्किम में था।

बीजेपी से सावधान रहे सीएम गोले : गोपाल छेत्री

'क्या सीबीआई की धमकी के कारण एसकेएम में शामिल हुए पूर्व विधायक व एसडीएफ नेता'

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 दिसम्बर । सिक्किम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एसपीसीसी) के चेयरमैन गोपाल छेत्री ने आज गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) को पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग पर सरकार गिराने का आरोप लगाने के बजाय गठबंधन सहयोगी बीजेपी से सावधान रहने की जरूरत है।

ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री गोले ने पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग पर एसकेएम के विधायकों और मंत्रियों को खरीदने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। गोपाल छेत्री ने कहा कि विपक्ष पर आरोप लगाने के बजाय सीएम गोले को बीजेपी से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा है कि हमें लगता है कि मुख्यमंत्री असहज स्थिति में हैं। गोपाल छेत्री ने एसकेएम सरकार को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गोले सरकार पांच साल पूरा करे और लोगों से किए अपने वादों को पूरा करे।

एसपीसीसी चेयरमैन गोपाल छेत्री ने पीएम नरेंद्र मोदी के नाम पर सड़क का नाम रखे जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा है कि सड़क का नाम मरणोपरांत सिक्किम के महान हस्तियों या देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के नाम पर रखा जा सकता था। बताते चलें कि सोमगो झील और नाथूला बॉर्डर को राजधानी गंगटोक से जोड़ने वाली सड़क का नाम पीएम नरेंद्र मोदी के नाम पर रखा गया है। इस सड़क का आधिकारिक उद्घाटन राज्यपाल गंगा प्रसाद ने किया था। उन्होंने कहा कि 28 दिसम्बर को हुए सड़क नामकरण समारोह में राज्यपाल गंगा प्रसाद, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डी.बी. चौहान और भाजपा विधायक वाई.टी. लेप्चा उपस्थित थे लेकिन एसकेएम सरकार का कोई प्रतिनिधि नहीं था। यह एक आधिकारिक राज्य समारोह की तरह नहीं लग रहा था क्योंकि सरकार से कोई भी (विधायक/मंत्री) मौजूद नहीं थे। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या राज्य सरकार इससे अनजान थी या एसकेएम और बीजेपी गठबंधन सहयोगियों के बीच कोई मतभेद है?

उन्होंने आगे कहा है कि जब सार्वजनिक स्थानों या संस्थानों का नाम किसी के नाम पर रखा जाता है, तो प्रस्ताव को विधानसभा में रखा जाता है, चर्चा की जाती है और सरकार द्वारा अधिसूचना के बाद पारित किया जाता है। यह पता चला है कि सड़क के नामकरण का प्रस्ताव संबंधित जीपीयू ग्रामसभा द्वारा पारित किया गया था, हालांकि सड़क बीआरओ द्वारा निर्मित एक राष्ट्रीय राजमार्ग है। क्या जीपीयू ग्रामसभा द्वारा प्रस्ताव पारित करने पर किसी के नाम पर सड़क का नाम रखा जा सकता है?, उन्होंने पूछा। उन्होंने पूछा है कि क्या सड़क का नामकरण एसकेएम सरकार पर भाजपा के दबाव के कारण किया गया था?'

एसपीसीसी चेयरमैन गोपाल छेत्री ने आज संवाददाता सम्मेलन में जोर देकर कहा कि सीबीआई जांच की धमकी और नियुक्तियों के लालच के कारण एसडीएफ के पूर्व विधायक और दिग्गज नेता सत्तारूढ़ एसकेएम में शामिल हो रहे है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर सीबीआई वास्तव में आती है तो हम इसका स्वागत करेंगे। लेकिन यहां सवाल यह है कि सीबीआई किसके लिए आ रही है? एसकेएम सत्तारूढ़ दल है जबकि लगभग सभी एसडीएफ विधायक और अन्य नेता पहले ही भाजपा या एसकेएम में चले गए हैं। क्या पूर्व सरकार के इन नेताओं के खिलाफ होगी सीबीआई जांच? उन्होंने कहा कि सीबीआई को उन सभी राजनीतिक नेताओं और उन नौकरशाहों के खिलाफ जांच करनी चाहिए, जिन्हें भ्रष्टाचार से फायदा हुआ है।

दो दिवसीय युवा महोत्सव शुरु

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 दिसम्बर । खेल एवं युवा मामला विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव आज से पालजोर स्टेडियम इंडोर हॉल में शुरू हुआ है।

इस अवसर पर सिक्किम खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की अध्यक्ष छुंगछुंग भूटिया मुख्य अतिथि थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि छुंग छुंग भूटिया ने राज्य स्तरीय युवा महोत्सव आयोजन के लिए खेल एवं युवा मामला विभाग की सराहना की।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और विचारों के आदान-प्रदान करने का एक बड़ा मंच है। अपने संबोधन में डॉ. आरबी विश्वकर्मा ने राज्य युवा महोत्सव के महत्व और भविष्य में युवाओं के लिए इस तरह की प्रतियोगिता के महत्व के बारे जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतियोगिता के विजेता को राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक, पारंपरिक और लोक नृत्य-गीत, नाटक, क्षेत्रीय पोशाक और भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया।

कार्यक्रम में सिक्किम खेल एवं युवा मामला विभाग के विशेष सचिव सुमिता प्रधान, विभागीय निदेशक छोमा छिरिंग भूटिया, विभागीय संयुक्त निदेशक डा.आरबी विश्वकर्मा आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रतियोगिता के लिए संस्कृति विभाग के पूर्व वरिष्ठ प्रशिक्षक नरेंद्र गुरुंग, श्रीमती पंडिमित लेप्चा और शिक्षक छुंबी भूटिया निर्णायक के रूप में उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त पशुपालन सचिव को दी गई विदाई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 दिसम्बर । राज्य पशुपालन एवं चिकित्सा सेवा विभाग के सचिव डा. सांगे डी. भूटिया के लिए विदाई कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कृषि विभाग के सम्मेलन हॉल में आयोजित विदाई कार्यक्रम में विभागीय मंत्री लोकनाथ शर्मा सहित कृषि विभाग के सचिव रिंजिंग सी. भूटिया, शहरी विकास विभाग के सचिव एमटी शेरपा, बागवानी विभाग के सचिव सीबी सुब्बा, सिक्किम मिल्क यूनियन के एमडी डा. एबी कार्की आदि उपस्थित थे। सचिव सांगे को सम्मान करते हुए विभाग ने उन्हें स्मृति चिंह प्रदान किया।

मंत्री शर्मा ने सेवानिवृत्त हो रहे सचिव के उल्लेखनीय कार्य की सराहना की। उन्होंने सरकार की तरफ से कृतज्ञता व्यक्त की। अपने संबोधन में सचिव भूटिया ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त की।

उन्होंने अपनी कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा है कि वह 31 दिसम्बर, 2021 को सेवा निवृत्त हो रहे है। लेकिन आवश्यकता आने पर विभाग के लिए तकनीकी सहयोग के लिए वह तत्पर रहेंगे।

नागालैंड में 6 महीने के लिए बढ़ा अफस्पा, 'अशांत क्षेत्र' घोषित

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। नागालैंड में सशस्त्र बल विशेष शक्ति अधिनियम (अफस्पा) की समीक्षा के लिए समिति गठित करने के कुछ दिनों बाद, केंद्र ने गुरुवार को पूरे राज्य को 'अशांत क्षेत्र' घोषित कर दिया और अफस्पा को अगले साल 30 जून तक पूरे राज्य में बढ़ा दिया।

गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, 'केंद्र सरकार की राय है कि पूरे नागालैंड राज्य को मिलाकर पूरा क्षेत्र इतना अशांत और खतरनाक स्थिति में है कि नागरिकों की सहायता के लिए सशस्त्र बलों के उपयोग की आवश्यक है।

अधिसूचना के अनुसार, 'अब इसलिए, सशस्त्र बल (विशेष शक्ति) अधिनियम, 1958 (1958 की संख्या 28) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि संपूर्ण नागालैंड राज्य को उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए, 30 दिसंबर, 2021 से छह महीने की अवधि के लिए 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया जाता है।'

अफस्पा सुरक्षा बलों को बिना किसी पूर्व वारंट के ऑपरेशन करने और किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। अगर वे किसी को गोली मारते हैं तो यह बलों को प्रतिरक्षा भी प्रदान करता है।

इस महीने की शुरूआत में मोन जिले में सेना की एक इकाई द्वारा 14 नागरिकों को विद्रोही समझकर मारे जाने के बाद से नागालैंड के कई जिलों में अफस्पा को वापस लेने के लिए विरोध प्रदर्शनों के बीच यह कदम उठाया गया है।

23 दिसंबर को, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नागालैंड में वर्तमान परिऑश्य पर चर्चा करने के लिए नागालैंड, असम के मुख्यमंत्रियों और राज्यों और मंत्रालय के अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक की और अफस्पा को वापस लेने पर विचार करने के लिए एक समिति बनाने का निर्णय लिया था। समिति को 45 दिनों में अपनी रिपोर्ट देनी थी। नागालैंड विधानसभा ने हाल ही में इस अधिनियम को हटाने के लिए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया है और यह उम्मीद की जा रही थी कि केंद्र स्थानीय लोगों के बीच भारी आक्रोश को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में अफस्पा के अधिकार क्षेत्र को सीमित कर सकता है।

यूपी में अब बाहुबली नहीं, सिर्फ बजरंगबली दिखाई पड़ते हैं : अमित शाह

मुरादाबाद, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के अभियान को धार देने के लिए बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। जनविश्वास यात्रा के तहत मुरादाबाद में रैली करते हुए शाह ने एक तरफ योगी सरकार के कामकाज की तारीफ की तो दूसरी तरफ विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। शाह ने योगी सरकार आने के बाद यूपी में कानून व्यवस्था को बेहतर बताते हुए कहा कि प्रदेश में अब बाहुबली नहीं, सिर्फ बजरंगबली दिखाई पड़ते हैं।

अमित शाह ने 2017 से पहले यूपी में माफियाराज का आरोप लगाते हुए कहा, ''सपा सरकार में हर जनपद में जनता को बाहुबली परेशान करते थे। हमारी बहन-बेटियों को परेशान करते थे, जमीन छीन लेते थे। आज योगी जी की सरकार में कोई बाहुबली दिखाई नहीं पड़ता, केवल बजरंग बली दिखाई पड़ते हैं।'' अखिलेश यादव के 'जिन्ना बयान' पर निशाना साधते हुए बीजेपी नेता ने कहा, ''जब चुनाव आता है तो अखिलेश जी को बाबू कल्याण सिंह याद नहीं आते, बल्कि उनकों जिन्ना याद आता है। आप मुझे बताइए कि क्या आप जिन्ना का महिमामंडन करने वालों को वोट देंगे?''

शाह ने कहा, ''ये सपा वाले गरीब को घर दे सकते हैं क्या?, गरीबों को पांच लाख की दवाई दे सकते हैं क्या?, बिजली दे सकते हैं क्या?, गरीबों को शौचालय दे सकते हैं क्या? अगर कोई कर सकता है तो मोदी जी कर सकते हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''पिछले चुनाव में यहां राहुल जी भी जनसभा करने आए थे। आपको याद होगा वह फैक्ट्री में आलू लगा रहे थे। ये सपा, बसपा और कांग्रेस कभी भी प्रदेश का भला नहीं कर सकते हैं, अगर कोई विकास कर सकता है तो वह भाजपा कर सकती है।''

यूपी को परिवारवाद की जागीर नहीं बनने देंगे : योगी

महराजगंज, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। सीएम योगी ने गुरुवार को विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी को परिवारवाद की जागीर नहीं बनने देंगे। प्रदेश को अपनी राजनीतिक विरासत मानकर वर्षों तक इसे अराजकता का शिकार बनाए रखने वाले आज विकास को देखकर घबड़ा गए हैं। डबल इंजन की सरकार ने यूपी को विकास का नया रोल मॉडल बना दिया है।

इसके पहले सीएम ने महराजगंज के फरेंदा में 436.8 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें से 152.28 करोड़ के 39 कामों का शिलान्यास और 284.53 करोड़ के 38 कामों का लोकार्पण उन्होंने किया। इस मौके पर उन्होंने फरेंदा कस्बे के मिनी स्टेडियम में आयोजित भाजपा की जन विश्वास रैली को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि कभी दंगो के लिए जाना जाने वाला उत्तर प्रदेश आज विकास और सुशासन के लिए जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश का माहौल कैसा था ये सब जानते हैं। (शेष पृष्ठ ०३ पर)

यूके से कोलकाता आने वाली सभी उड़ानों पर बैन, बंगाल सरकार का बड़ा फैसला

कोलकाता, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने यूके से कोलकाता हवाई अड्डे के लिए आने वाली सभी उड़ानों को निलंबित करने का फैसला किया है। राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक 3 जनवरी से यूके से कोलकाता आने वाली सभी उड़ानों पर बैन रहेगा। बंगाल के अपर मुख्य सचिव बी पी गोपालिका द्वारा नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव राजीव बंसल को लिखे पत्र में उन्होंने राज्य सरकार के फैसले के बारे में सूचित किया है।

अपने पत्र में उन्होंने लिखा, 'मुझे आपको सूचित करना है कि विश्व स्तर पर और साथ ही देश के भीतर ओमिक्रॉन मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, राज्य सरकार ने अस्थायी रूप से और अगले आदेश तक 3 जनवरी, 2022 से यूनाइटेड किंगडम से कोलकाता के लिए सभी सीधी उड़ानों को निलंबित करने का निर्णय लिया है। यूके भारत सरकार द्वारा अधिसूचित एक 'जोखिम वाला' देश है, इसलिए यहां से राज्य में उड़ानों को अनुमति नहीं दी जाएगी और जारी किए गए किसी भी एनओसी को वापस ले लिया जाएगा।'

इसके अलावा, 3 जनवरी, 2022 से, अन्य गैर-जोखिम वाले देशों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के माध्यम से पश्चिम बंगाल आने वाले सभी यात्रियों को अपने खर्च पर आगमन पर अनिवार्य रूप से एक कोविड टेस्ट से गुजरना होगा। एयरलाइंस आरटी-पीसीआर टेस्ट के लिए 10 प्रतिशत यात्रियों का रैंडम ढंग से चयन करेगी और शेष 90ज को आगमन पर हवाई अड्डे पर रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) से गुजरना होगा। आरएटी परीक्षण में पॉजिटिव पाए जाने वालों को आगे आरटी-पीसीआर टेस्ट से गुजरना होगा।

इसके अलावा, सभी यात्रियों को आगमन पर प्रतीक्षा समय (वेटिंग टाइम) को कम करने के लिए बोर्डिंग से पहले टेस्ट को अनिवार्य रूप से प्री-बुक करना होगा, जिसे एयरलाइंस को बोर्डिंग की अनुमति देने से पहले सुनिश्चित करना होगा। वहीं हवाईअड्डा प्राधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगमन लाउंज की बैठने की क्षमता बढ़ाने और टेस्टिंग काउंटरों की संख्या में वृद्धि करने के लिए कहा जा सकता है ताकि हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए प्रतीक्षा समय को कम किया जा सके।

52 करोड़ देकर नहीं बच पाएगा पीयूष जैन, डीजीजीआई ने कहा– बिजनेस टर्नओवर नहीं

कानपुर, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। कानपुर में 197 करोड़ रुपए की कैश बरामदगी के बाद गिरफ्तार किए गए पीयूष जैन सिर्फ टैक्स चुकाकर नहीं बच पाएगा। टैक्स देकर बाकी रकम वापस मांगने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाले इत्र कारोबारी पीयूष जैन की दलीलों को डीजीजीआई ने खारिज किया है।

पीयूष जैन के ठिकानों पर छापामारी का नेतृत्व करने वाले डीजीजीआई अहमदाबाद विंग के एडिशनल कमिश्नर विवेक प्रसाद ने कहा की जैन की 52 करोड़ टैक्स जमा कराने की बात गलत है। टैक्स नहीं लिया जाएगा न ही उसके पास से बरामद 197 करोड़ों रुपए को उसका बिजनेस टर्नओवर माना गया है।

विवेक प्रसाद ने यह भी कहा कि पीयूष जैन के पास बरामद रुपया डिपार्टमेंट की केस प्रॉपर्टी है, जिसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की कस्टडी में सुरक्षित रखा गया है। पीयूष जैन को केवल टैक्स लेकर छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता। अभी जांच प्रक्रिया चल रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बीच पीयूष जैन ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पीयूष ने गुहार लगाई है कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) 52 करोड़ रुपए काटकर बाकी धन उसे वापस कर दे। बताया जा रहा है कि कानपुर जेल में 14 दिन की न्यायिक हिरासत काट रहे पीयूष जैन ने इस आशय की अर्जी लगाई है। पीयूष के वकील उसकी जमानत याचिका दाखिल करने की भी तैयारी कर रहे हैं। उधर, डीजीजीआई के अधिवक्ता अंबरीश टंडन ने बुधवार को मीडिया को बताया कि पीयूष के घर से बरामद धनराशि टैक्स चोरी की है।

मिली जानकारी के अनुसार पीयूष जैन ने अपने बयान में कबूल किया है उसने तीन कंपनियां बनाई थीं। उन कंपनियों के जरिए चार साल में गुप्त रूप से पान मसाला कम्पाउंड बेचा था। टैक्स चोरी के मकसद से उनसे रकम जमा की। इस पर कुल 32 करोड़ रुपए का टैक्स बनता है। पैनल्टी मिलाकल 52 करोड़ रुपए की देनदारी बनती है। बताया गया कि कन्नौज में पीयूष के ठिकाने से मिले सोने और रुपयों की डिटेल अभी तक नहीं मिल पाई है। पीयूष के सात ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच कालका जी मंदिर में श्रद्धालुओं की एंट्री बंद

राजेश अलख

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। राजधानी दिल्ली में बढ़ते कोरोना के मामलों के बीच दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने सख्ती बढ़ा दी है। दरअसल, इसके मद्देनजर दिल्ली के कालका जी मंदिर में श्रद्धालुओं का प्रवेश बंद कर दिया गया है। डीडीएमए द्वारा जारी निर्देशों के चलते मंदिर प्रशासन ने यह फैसला लिया है। मालूम हो कि इससे पहले महाराष्ट्र में भी बढ़ते कोरोना संक्रमण के मद्देनजर साई बाबा मंदिर में रात के दर्शन भक्तों के लिए बंद कर दिए गए थे।

दिल्ली में कोरोना के मामले और संक्रमण दर बढ़ने के की वजह से जीआरपीए का लेवल 1 यानि येलो एलर्ट लागू है, जिसके तहत धार्मिक स्थल तो खुले रहेंगे, लेकिन श्रद्धालुओं का प्रवेश वर्जित है। इसके तहत ही कालका जी मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं का प्रवेश बंद करने का फैसला लिया है। कालकाजी मंदिर के पुजारी ने कहा, 'हम दिल्ली सरकार से अनुरोध करते हैं कि भक्तों को मूर्ति को बाहर से देखने दें। नए साल के अवसर पर भक्त पूजा करने के लिए आते हैं। अगर दिल्ली सरकार सार्वजनिक मॉल खोल सकती है तो भक्तों के लिए मंदिर भी खुले रह सकते हैं।

राजधानी में कोरोना के खतरे को देखते हुए बुधवार को डीडीएमए की मीटिंग हुई थी। कोविड संक्रमण की स्थिति को देखते हुए राजधानी दिल्ली में अभी येलो अलर्ट जारी रहेगा। हालांकि, दिल्ली में अभी हालात पूरी तरह से काबू में हैं और अस्पताल में बेड खाली पड़े हैं। बता दें कि नई दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 923 नए मामले सामने आए हैं। सूत्रों की मानें तो दिल्ली आपदा प्रबंधन की बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अभी दिल्ली में येलो अलर्ट जारी रखने की बात कही।

ओमिक्रॉन मरीजों की बात करें तो देश में अबतक 961 लोगों में नए वेरिएंट से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसमें से 263 दिल्ली, 257 महाराष्ट्र, 97 गुजरात, 69 राजस्थान और 65 केरल से हैं। आज के आंकड़े काफी चिंताजनक हैं क्योंकि केवल 24 घंटे में ओमिक्रॉन के मामलों में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खाद न मिलने पर किसानों ने हाईवे किया जाम तो पुलिस ने किया लाठीचार्ज, आक्रोशित लोगों ने गाड़ियों में की तोड़फोड़

नरपतगंज(अररिया), 30 दिसम्बर (नि.सं.)। बिहार में खाद लेने के लिए हजारों की संख्या में पहुंचे किसानों ने फोरलेन हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम हटाने के लिए पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को खदेड़ दिया। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने कई गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की। बवाल बढ़ता देखकर पुलिस ने हवाई फायरिंग करते हुए आंसू गैस के गोले भी छोड़े। फिलहाल भारी हंगामे और तोड़फोड़ के चलते पूरा बाजार पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। हालांकि आक्रोशित लोगों का प्रदर्शन जारी है। हंगामे की और तोड़फोड़ की खबर पाकर फारबिसगंज डीएसपी राम पुकार सिंह व एसडीओ सुरेंद्र कुमार अलबेला बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ हाईवे पर पहुंचे। अफसर आक्रोशित लोगों को समझाने के प्रयास में जुटे रहे।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को नरपतगंज उच्च विद्यालय मैदान में 09 पंचायतों के लोगों को बीच यूरिया वितरण करने का निर्देश अधिकारियों द्वारा दिया गया था लेकिन आधी रात के बाद से ही हजारों की संख्या में किसान स्कूल परिसर के बाहर जमा हो गए। सुबह जैसे ही गेट खुला तो भीड़ गेट के अंदर घुसने लगी भीड़ में भगदड़ मच गई। भीड़ में लोगों के नीचे दबने से एक दर्जन से ज्यादा महिलाएं समेत लोग जख्मी हो गए। पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल फैल गया। सभी को इलाज के लिए नरपतगंज अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर फारबिसगंज से डीएसपी व एसडीओ भी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर तत्काल सुबह के समय जाम हटवा दिया।

लाइन लगवाकर अधिकारियों की मौजूदगी में खाद का वितरण शुरू हुआ। दोपहर के बाद अचानक पोस मशीन का लिंक खराब होने के बाद खाद वितरण बंद हो गया। इसके बाद आक्रोशित भीड़ हाईवे को जाम कर प्रदर्शन करने लगी। इसी दौरान भीड़ हटाने के लिए पुलिस ने किसानों पर लाठीचार्ज कर दिया। जवाब में आक्रोशित किसानों की भीड़ ने रोड़े पत्थर लाठी-डंडे के साथ पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया।

हाइवे पर जाम में फंसे करीब एक दर्जन से ज्यादा वाहनों को शीशे आदि तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। बड़ी संख्या में पुलिस बल समेत किसानों की भीड़ फोरलेन पर जमा होकर प्रदर्शन कर रही है। वहीं करीब चार घंटे से फोरलेन हाईवे जाम होने के कारण जाम में हजारों की संख्या में गाड़ी फंसी हुई है। इस संदर्भ में फारबिसगंज एसडीओ सुरेंद्र कुमार अलबेला ने बताया कि यूरिया को लेकर किसानों द्वारा हंगामा करने के बाद पुलिस के ऊपर पत्थरबाजी की गई है। बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

लंदन से तस्कर को लेकर लौटे दिल्ली पुलिस के डीसीपी ओमिक्रॉन से संक्रमित

राजेश अलख

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। लंदन से ड्रग्स तस्कर को लेकर दिल्ली लौटे दिल्ली पुलिस के डीसीपी कोविड के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। दिल्ली पुलिस में ओमिक्रॉन से संक्रमित होने का संभवत: यह पहला मामला है। डीसीपी के संक्रमित होने का खुलासा होने के बाद उनके साथ लंदन से लौटे एसीपी और इंस्पेक्टर को भी आइसोलेशन में रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को भी कोविड संक्रमण से संबंधित सभी गाइडलाइंस का पालन करने को कहा गया है।

प्रत्यर्पण के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के डीसीपी इंगित प्रताप सिंह, एसीपी राहुल विक्रम और इंस्पेक्टर अनुज कुमार की टीम लंदन गई थी। वहां से आरोपी को लेकर पुलिस टीम 24 दिसंबर को दिल्ली लौटी थी। यहां आने पर उन्हें 14 दिन के होम क्वारंनटाइन में रहने को कहा गया था। इस दौरान डीसीपी इंगित प्रताप सिंह को बुखार हुआ। उन्होंने जब जांच करवाई तो पता चला कि वह कोविड से संक्रमित हैं। इस वायरस की जब जांच की गई तो पता चला कि वह ओमिक्रॉन वायरस से संक्रमित हैं। इसके बाद से उन्हें आइसोलेशन में रखा गया है। उनके साथ लंदन से लौटे आरोपी एवं दोनों अन्य पुलिसकर्मियों को भी आइसोलेट किया गया है।

दरअसल 2018 में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने कुछ ड्रग्स तस्करों को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। इनके कुछ अन्य साथियों को भी पुलिस ने म्याऊं-म्याऊं ड्रग्स और नशीली गोलियों के साथ पकड़ा था। इनसे पूछताछ में पता चला कि उनके गैंग का सरगना लंदन में बैठा हुआ है। उसकी पहचान हरविंदर सिंह उर्फ बलजीत सिंह के रूप में हुई थी। पुलिस ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट अदालत से जारी करवाया था। भारत सरकार ने उसके प्रत्यर्पण के लिए लंदन में संपर्क किया, जिसके बाद फरवरी 2020 को उसे यूके पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। वहां से उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई थी। इसके बाद प्रत्यर्पण के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम लंदन गई थी।

दिल्ली में कोरोना के मद्देनजर 'हुनर हाट' को खत्म करने का हुआ ऐलान

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे 'हुनर हाट' को शुक्रवार से बंद कर दिया जाएगा। दिल्ली में कोरोना व नए वेरियंट ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने गुरुवार को यह फैसला लिया है।

23 दिसंबर को ही हुनर हाट का आगाज हुआ था और 5 जनवरी तक इसे चलना था, मिडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि, कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह फैसला लिया जा रहा है। शुक्रवार दोपहर बाद से हुनर हाट को खत्म कर दिया जाएगा। हमें बीमारी से मुकाबला करने के लिए सावधानी बरतनी होगी।

हुनर हाट को देखते हुए लोग उत्साह पूर्वक आ रहे थे, लेकिन लोगों की सेहत को देखते हुए सावधानी की भी हमारी जिम्मेदारी है। वहीं यदि स्थिति बेहतर रहती है तो आगे अन्य राज्यों में भी हुनर हाट आयोजित होने हैं।

दरअसल देश के 30 से अधिक राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के 700 से ज्यादा दस्तकारों, शिल्पकारों, कारीगरों ने इस हुनर हाट में भाग लिया था।

मौजूदा हुनर हाट में असम, बिहार, आंध्र प्रदेश, गुजरात, लद्दाख, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, नागालैंड, मेघालय, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, गोवा, पुडुचेरी, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, चंडीगढ़, हरियाणा सहित 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 700 से ज्यादा दस्तकार, शिल्पकार, कारीगर शामिल हुए।

सरकार ने पूर्वोत्तर को अराजकता, उग्रवाद की खाई में धकेल दिया है : कांग्रेस

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। केंद्र ने नगालैंड में अफस्पा को छह महीने के लिए और बढ़ा दिया है, जिसके बाद कांग्रेस ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि उसकी 'सत्ता की लालसा' ने पूर्वोत्तर को उग्रवाद और अराजकता के रसातल में भेज दिया है।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, 'मोदी सरकार ने अब तक शांतिपूर्ण पूर्वोत्तर को अराजकता, उग्रवाद की खाई में धकेल दिया है।'

गुरुवार को केंद्र ने पूरे राज्य को 'अशांत क्षेत्र' घोषित करते हुए नागालैंड में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को अगले साल 30 जून तक बढ़ा दिया।

यह अधिनियम सुरक्षा बलों को बिना किसी पूर्व वारंट के अभियान चलाने और किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। अगर वे किसी को गोली मारते हैं तो यह बलों को प्रतिरक्षा भी देता है।

इस महीने की शुरूआत में मोन जिले में सेना की एक इकाई द्वारा 14 नागरिकों को विद्रोही समझकर मारे जाने के बाद से नागालैंड के कई जिलों में अफस्पा को वापस लेने के लिए विरोध प्रदर्शनों के बीच यह कदम उठाया गया है।

23 दिसंबर को, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नागालैंड में वर्तमान परिऑश्य पर चर्चा करने के लिए नागालैंड, असम के मुख्यमंत्रियों और राज्यों और मंत्रालय के अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक की और अफस्पा को वापस लेने पर विचार करने के लिए एक समिति बनाने का निर्णय लिया। समिति को 45 दिनों में अपनी रिपोर्ट देनी थी। नागालैंड विधानसभा ने हाल ही में इस अधिनियम को हटाने के लिए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया है और यह उम्मीद की जा रही थी कि केंद्र स्थानीय लोगों के बीच भारी आक्रोश को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में अफस्पा के अधिकार क्षेत्र को सीमित कर सकता है।

कोरोना संक्रमण को नहीं रोकती कोई कोविड वैक्सीन, सरकार बोली– मौत के मुंह में जाने से बचाती है

राजेश अलख

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। भारत सरकार का कहना है कि दुनिया की कोई भी वैक्सीन कोरोना संक्रमण को नहीं रोकती है बल्कि ये मौत के मुंह में जाने से बचाती है। स्वास्थ्य मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईसीएमआर के डीजी डॉक्टर बलराम भार्गव ने कहा कि चाहे वह भारत, अमेरिका या चीन की वैक्सीन क्यों न हो, वे वे संक्रमण को नहीं रोकती हैं। डॉ बलराम भार्गव ने कहा कि टीकाकरण से पहले और बाद में मास्क का उपयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी को सामूहिक समारोहों से जाने से बचना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'सभी कोविड टीके, चाहे वे भारत, इजराइल, अमेरिका, यूरोप, यूके या चीन के हों, मुख्य रूप से रोग में सुधार करने के लिए होते हैं। वे संक्रमण को नहीं रोकते हैं। प्रिकॉशन डोज मुख्य रूप से संक्रमण, अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु की गंभीरता को कम करने के लिए है।' आईसीएमआर डीजी का ये बयान ऐसे समय में आया है जब भारत 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों और हेल्थ वर्कर्स को प्रिकॉशन डोज यानी बूस्टर डोज देने की तैयारी कर रहा है।

नए वैरिएंट के इलाज को लेकर आईसीएमआर के डीजी डॉक्टर बलराम भार्गव ने कहा कि दिशानिर्देशों में कोई बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के पहले और वर्तमान में फैल रहे वैरिएंट के लिए उपचार दिशानिर्देश समान हैं।

उन्होंने कहा कि होम आइसोलेशन एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रॉन के 180 नए मामले सामने आने के बाद, देश में इस वैरिएंट के मामले बढ़कर 961 हो गए हैं। ये एक दिन में सामने आए ओमीक्रॉन के सर्वाधिक मामले हैं।

उत्तराखंड में पर्वतीय किसानों की हो रही दुर्दशा : राकेश टिकैत

काशीपुर, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि उत्तराखंड के किसानों का बुरा हाल है। प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र के किसानों की भी दुर्दशा हो रही है। यहां खाद, बिजली, पानी सभी की दिक्कत हैं। किसानों की उपज की एमएसपी पर खरीद नहीं हो रही है। पहाड़ से पलायन हो रहा है। मुख्यमंत्री से वार्ता कर उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्र के किसानों को हिमाचल की तरह ट्रांसपोर्ट सब्सिडी, हिल पॉलिसी की सुविधा देने के लिए कहा गया है।

गुरुवार को राकेश टिकैत जसपुर बस अड्डे के पास एक प्रतिष्ठान पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत सरकार एक पार्टी को फायदा देने की कोशिश कर रही है। वह प्रधानमंत्री के पहरे पर बैठे हैं। यदि एक पार्टी को फायदा दिया जाएगा तो उसका विरोध करेंगे। इस पर पूरी निगाह रखी जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के हल्द्वानी दौरे के बारे में पूछने पर टिकैत ने कहा कि अभी चुनावी घोषणाओं का दौर चल रहा है। कुछ दिनों में आचार संहिता लग जाएगी। काम कब करेंगे यह पता नहीं। देश में रोजगार नहीं हैं, नौजवान त्रस्त हैं सिर्फ घोषणाओं से देश नहीं चलने वाला है। इस मौके पर यहां जगतार सिंह बाजवा, जितेंद्र सिंह जीतू, मनोज जोशी, बलजिंदर सिंह संधू भी मौजूद रहे।

भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भाजपा की हल्द्वानी रैली पर चुटकी लेते हुए कहा कि अभी कोरोना नहीं आएगा। अगर कोई अन्य रैली करेगा, तो कोरोना पहुंच जाएगा। कोरोना रात 11 से सुबह पांच बजे तक अंधेरे में आता है। जो दिन में नहीं दिखता। टिकैत ने कहा कि सरकार कोरोना का बहाना लेकर कोई ऐब जरूर करेगी। उन्होंने लोगों से कहा कि सरकार कुछ देने वाली नहीं है। किसान अपनी जमीनों को बचाकर रखें। रोजगार जा रहे हैं। इसलिये इसका भी ध्यान रखा जाए।

हैदरपोरा एनकाउंटर: फारूक अब्दुल्ला ने एसआईटी की रिपोर्ट को बताया गलत, कहा– खुद को बचा रही पुलिस

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने हैदरपोरा एनकाउंटर को लेकर विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट को गलत करार दिया है। फारूक अब्दुल्ला ने मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। इस मामले में एसआईटी ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट को सार्वजनिक की थी।

एसआईटी की रिपोर्ट पर गुरुवार को फारूक अब्दुल्ला ने कहा 'मेरा मानना है कि पुलिस की रिपोर्ट गलत है। पुलिस ने खुद को बचाने के लिए ऐसा किया है। पुलिस ने उन्हें मार डाला और इसमें कोई शक नहीं है। मेरा मानना है कि न्यायिक जांच होनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि हैदरपोरा मुठभेड़ की सच्चाई सामने लाने के लिए न्यायिक जांच की घोषणा की जानी चाहिए।

मामले की जांच कर चुकी एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एक आम नागरिक को विदेशी आतंकवादी ने मारा जबकि जिस घर में एनकाउंटर हुआ था उस घर के मालिक को एक स्थानीय आतंकवादी ने क्रॉसफायर के दौरान गोली मार दी। एसआईटी ने कहा कि घर में छिपे आतंकवादी ने उनका इस्तेमाल मानव ढाल के तौर पर किया था। एसआईटी के प्रमुख, डीआईजी सुजिथ के सिंह ने सुरक्षा बलों को क्लीन चिट दी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर इस मामले में आगे चलकर कुछ और भी नए तथ्य या सबूत सामने आते हैं तो टीम अपने निष्कर्षों की समीक्षा कर सकती है।

15 नवंबर को श्रीनगर के हैदरपोरा में हुए इस एनकाउंटर में एक पाकिस्तानी आतंकवादी और तीन अन्य लोगों की मौत हुई थी। पुलिस ने दावा किया था कि मारे गए सभी लोगों का ताल्लुक आतंकवाद से था। मारे गए लोगों में से तीन लोगों के घरवालों ने हालांकि दावा किया था कि ये सभी निर्दोष थे और फर्जी मुठभेड़ के शिकार बन गए हैं। एनकाउंटर के बाद मामला तुल पकड़ लिया था जिसके बाद एसआईटी जांच के निर्देश दिए गए थे।

मुंबई में हाई अलर्ट, खालिस्तानी आतंकी कर सकते हैं हमला

मुंबई, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। मुंबई एक ओर फिर से कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी का सामना कर रही है तो दूसरी ओर यहां आतंकी हमला होने की आशंका भी बढ़ गई है। मुंबई पुलिस को सूचना मिली है कि खालिस्तानी तत्व शहर में हमला कर सकते हैं। इसे देखते हुए शुक्रवार से सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां और साप्ताहिक अवकाश रद्द कर दिए गए हैं। शहर की पुलिस हाई अलर्ट पर है।

जानकारी के अनुसार मुंबई पुलिस ने यह कदम केंद्रीय एजेंसियों से यह सूचना मिलने पर उठाया है कि खालिस्तानी आतंकी नववर्ष के मौके पर शहर में आतंकी हमले को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार 31 दिसंबर को मुंबई के सघन इलाकों में उच्च स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिल सकती है। कोरोना के चलते धारा 144 यहां पहले से ही लागू है।

मुंबई रेलवे पुलिस आयुक्त कैसर खालिद ने बताया कि अलर्ट को देखते हुए शहर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। कल 3000 से अधिक रेलवे अधिकारी तैनात किए जाएंगे। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की वजह से मुंबई में पहले ही नए साल का जश्न फीका ही रहने की उम्मीद है इस आतंकी खतरे की आशंका ने हालात और गंभीर कर दिए हैं।

नहीं टाले जाएंगे यूपी चुनाव, आयोग ने कहा- सभी दल चाहते हैं समय पर ही हो यूपी विधानसभा चुनाव

लखनऊ, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुशील चंद्रा ने गुरुवार को कहा कि लखनऊ दौरे के दौरान उनसे मिलने वाले सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने विधानसभा चुनाव सभी कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए समय पर कराए जाने की मांग की है।

यह इस बात का संकेत है कि चुनावी राज्यों में चुनाव स्थगित नहीं होंगे।

अपने तीन दिवसीय दौरे के अंत में मीडिया को संबोधित करते हुए, सीईसी सुशील चंद्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब 52.08 लाख नए मतदाता हैं जो आगामी विधानसभा चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

मतदाताओं की संख्या में वृद्धि और मौजूदा महामारी की स्थिति को देखते हुए, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए 11,000 और मतदान केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है कि भीड़ न हो। इसके साथ, मतदान कर्मियों की संख्या में भी वृद्धि होगी। हम राज्य भर में मतदान केंद्रों पर भीड़ को रोकने के लिए मतदान का समय भी एक घंटे बढ़ा रहे हैं।

सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करने के लिए प्रति मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या पहले के 1,500 के बजाय घटाकर 1,250 कर दी गई है।

सीईसी ने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों ने कहा कि महामारी को देखते हुए रैलियों की संख्या सीमित की जानी चाहिए और कुछ अर्धसैनिक बलों को तैनात किया जाए।

उन्होंने कहा, 'हमें अधिकारियों के पक्षपाती होने की कुछ शिकायतें मिलीं और हमने सभी शिकायतों और सुझावों को नोट कर लिया है।'

उन्होंने आगे कहा कि जागरूकता अभियानों के परिणामस्वरूप लगभग 28.86 लाख नई महिला मतदाताओं का नामांकन हुआ है, जो पुरुषों की तुलना में पांच लाख अधिक है।

उन्होंने कहा, 'महिला मतदाताओं का लिंगानुपात भी 2017 में 839 से बढ़कर 2021 में 868 हो गया है।'

सीईसी ने कहा कि मतदान केंद्रों पर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी और उन्हें पोस्टल बैलेट का विकल्प भी दिया जाएगा, जिसकी सूची राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई जाएगी।

'हमने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने और मतदाताओं के लिए पानी, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, रैंप और व्हील चेयर की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए कहा है।'

उन्होंने कहा कि चुनाव ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मियों का पूर्ण टीकाकरण किया जाएगा, जबकि मतदान केंद्रों पर थर्मल स्कैनर, मास्क, सैनिटाइजर उपलब्ध रहेंगे।

उन्होंने कहा, 'हमने अधिकारियों से बात की है और उन्हें टीकाकरण को तेज करने के लिए कहा है ताकि चुनाव के समय तक योग्य आबादी का टीकाकरण हो सके।'

चुनाव आयोग इस बार हर विधानसभा क्षेत्र में 10 मॉडल बूथ भी बनाएगा। चंद्रा ने कहा कि उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में चर्चा की और उनसे मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त महिला पुलिसकर्मी तैनात की जाएंगी।

उन्होंने कहा, 'हमने अन्य एजेंसियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि चुनाव के दौरान पैसे और शराब या किसी अन्य मुफ्त चीजों का वितरण न हो।'

दिल्ली में ओमिक्रॉन का कम्युनिटी स्प्रेड शुरू : सत्येंद्र जैन

राजेश अलख

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने आज गुरुवार को चेतावनी देते हुए कहा कि कोविड-19 का ओमिक्रॉन वेरिएंट धीरे-धीरे समुदाय में फैलने लगा है। उन्होंने कहा कि बिना यात्रा इतिहास वाले लोग भी ओमिक्रॉन की जांच में पॉजिटिव पाए जा रहे हैं।

दिल्ली में अब तक अनुक्रमित कुल 115 नमूनों में से 46 प्रतिशत ने इसके लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। जैन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'लेटेस्ट जीनोम अनुक्रमण रिपोर्ट के अनुसार, 46 प्रतिशत मामले ओमिक्रॉन वेरिएंट के हैं, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय यात्री और उनके संपर्क में आने वाले दोनों शामिल हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि कुल 200 कोविड मरीज अस्पतालों में हैं, जिनमें दिल्ली के 102 मरीज शामिल हैं और शेष 98 बाहर के हैं।

अस्पतालों में 200 मरीजों में से 115 एयरपोर्ट से लाए गए। उन्होंने आगे कहा कि अभी तक किसी भी ओमिक्रॉन मरीज को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत नहीं हुई है।

संक्रमण को रोकने के लिए निवारक उपायों के बारे में बात करते हुए, मंत्री जैन ने कहा कि दिल्ली ने संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए पहल की है। शहर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के पहले चरण को लागू किया गया है।

उन्होंने कहा कि स्कूल, कॉलेज जिम, स्पा बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मेट्रो और बसों में बैठने की क्षमता को घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। मंत्री ने कहा, 'हमने बड़े पैमाने पर प्रतिबंध लगाए हैं।'

जैन ने कहा, 'हमें एक स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करने के लिए अगले दो से तीन दिनों तक इंतजार करना होगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिबंध का परिणाम छह से सात दिनों के बाद दिखाई देता है। अगली डीडीएमए बैठक में, हम जरूरत पड़ने पर आगे के प्रतिबंधों पर फैसला करेंगे।'

यूपी को परिवारवाद .....

डबल इंजन की सरकार में आज देश व प्रदेश का माहौल कैसा है, ये भी सबके सामने है। सरकारों ने अपने स्वार्थ और परिवारवाद की राजनीति के चक्कर में देश और प्रदेश को लूट, खसोट, भ्रष्टाचार और अराजकता का अड्डा बना दिया था। त्योहार आते ही प्रदेश में दंगे शुरू हो जाते थे। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर जनता ने भरोसा जताया तो आज देश में न आतंकवाद का नामोनिशान रह गया और ना यूपी में दंगा फसाद हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा ने न सिर्फ गांव के गरीब किसानों, मजदूरों के हित में काम किया बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान भी किया। अयोध्या में बन रहा भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर इस बात का प्रमाण है कि शासन-प्रशासन यदि अपना काम सही ढंग से करेगा तो विकास भी होगा और अमन चैन भी आयेगा।

GOVERNMENT OF SIKKIM
SOCIAL WELFARE DEPARTMENT
5TH MILE TADONG, GANGTOK

Memo No: GOS/562/SWD/EC/2021-22/10

NOTICE INVITING TENDER (RE-TENDER)

The Divisional Engineer, (S/W) Social Justice & Welfare Department, Government of Sikkim, Samaj Kalyan Bhawan, Lumsey, Tadong, East District, Sikkim on behalf of Governor of Sikkim, Invites sealed tenders in percentage Rate basis from the eligible contractors of appropriate class Vide Notification No. 584/R&B/PWD/Secy. Dated 08.10.2018 Vide Notification No. 515/R&B/PWD/Secy, Dated:12.06.2018 Notification No. 104/R&B Dated 08.10.2020 for the work (s) listed under: -

1.Construction of CSC Mandap at Bikmat Ward no.6, Namchi, South Sikkim

SL.No	Name of work	Value put to Tender (in Rs.)	Completion Time, (in months)	Amount of Earnest Money @ 2.5% For issue of tender form (Rs.)	Amount of Bank receipt for cost of tender documentsRs.)	Constituency / GPU/ Ward
1	2	3	4	5	6	7
1.	Construction of CSC Mandap at Bikmat Ward no.6, Namchi, South Sikkim.	1,34,75,878.00	18 months	3,36,897.00	30,000.00	Namchi/ Bikmat/Ward No. 6.

Time Schedule is as follows: -

1. Date for submission of applications -10th January to 31st January, 2022 (10 a.m. to 4:30 p.m.)
2. Last date for issue of tender form -07th February, 2022 (10 a.m. to 4:30 p.m.).
3. Date and Time for submission of Tender -09th February, 2022 (10 a.m. to 1:00 p.m.).
4. Date and Time of opening of Tender -09th February, 2022 at 2:00 p.m. in the respective ward.

Note:
- The details of tender documents including tender form can be obtain from the office of the Divisional Engineer-(South/West), SJ&WD on production of receipt of deposit made to the respective Ward.
- Tender is open only to the eligible Contractors/Firms of appropriate Class/Area.
- The intending tenders/contractors should apply in writing for issue of tender documents. The application would invariably by signed by the contractor himself/herself. The tender documents will not be issued to any person other than the INTENDING TENDER.
- The applicants should enclose attested copies of the (a) Valid GSTIN Registration Certificate, (b) Latest Income Tax Clearance Certificate as per the Indian Income Tax Act and (c) Validated Contractor Enlistment Certificate, and Professional Tax Clearance Certificates along with the application. It is mandatory to produce the original validated/updated Enlistment Certificate during sale/issue of the Tender Document for verification (d) PAN card. The selected bidder will have to produce valid GSTIN registration certificate before issue of work order.
- The prescribed Non-Transferable Tender Documents (excluding the Tender Form) can be obtained during the period specified as above from the office of the Assistant Engineer (South) of Social Justice & Welfare Department. Samaj Kalyan Bhawan, Lumsey, Tadong, East District, Sikkim, on production of receipt deposit to the revenue of the respective GPU for cost of tender documents.
- Earnest Money Deposit @2.5 % in the state bank of Sikkim in the form of deposit receipt of schedules bank which includes in the form of temporary deposit receipts fixed deposits receipts in favor of the Additional Chief Engineer, Social Welfare Department. Samaj Kalyan Bhawan, Lumsey, Tadong, East District, Sikkim. Tender Form shall be issued only on the production of the deposit receipt to the contractors who has obtained the tender documents, on production of deposit receipts of 2.5% earnest money.
- The Tender documents, including the Tender Form with quoted offer should be placed in a sealed cover with the name of the Tenderers and the name of the work superscripted on it. Supporting documents listed at SL3 (a), (b) and (c) above should be enclosed with the offer.
- Sealed Tenders may be deposited in the Tender Box in the concerned ward on the date and time indicated above.
- Tenders will be opened by a Tander Opening Committee as prescribed by the Government in the presence of the tenderer on the date and time indicated above.
- The Tendered should sign on every page of the tender documents as Acceptance of the General Direction and Conditions of Contract and other laid down norms. The rate quoted should be both in figures and words and should be inclusive of GST and all other Taxes and Levies. Over writing and correction should be avoided and if made should be authenticated. Incomplete/ Conditional tenders shall be rejected forthwith.
- In case of any discrepancy in rate(s) printed in the Schedule of Rates and Quantities issued with the tender document, rates as per approved Schedule of Rates will be taken as correct. For items outside the SOR, the rates shall as per the technically checked/estimate/analysis. Decision of the Chief Engineer/Add. Chief Engineer/Secretary/Head of the Department will be final in this regard.
- The Work Value, scope and quantum of work are subject to change, the contractor shall execute the work as per the directives of the Department. No claim on this account shall be entertained whatsoever. If any extra claim is made, it shall be as per the agreement rates.
- Avoidable damages due to negligence of the contractor shall ba at his own risk and cost. The Department shall not be liable for payment of such damages (if any), including accidents to laborer at site.
- The offer shall remain valid for a period of 90 days. The work should commence within 15 days from the date of issue of work order.
- The department reserves the right to accept or reject any or all tenders without assigning any reason thereof.
- Subletting of contract work is against the norms and if it comes to the notice, the original contract shall be cancelled and appropriate action shall be initiated as per the rules.
- The Department also reserves the right to increase, decrease, alter or modify the item of works as indicated in the NIT without assigning any reason thereof.
- The contractor will have to pay all taxes and duties as applicable and notified by the State/Central Government and no claim shall be entertained in this regard whatsoever.
- The rate quoted shall be inclusive of prevailing taxes.
- The department reserves the right to reject the incomplete tender without any reasons there-off.
- The Contractor has to submit the work program / bar Chart in the initial stage.

Note: It is requested to forward the bill in the office of the undersigned for settlement of payments, please.

Sd/-
Divisional Engineer (South/West),
Social Welfare Department,
5th Mile,Lumsey,

R.O. No.:298/IPR/PUB/Classl/21-22
Date: 29.12.2021

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR PADMA MORNING
Draw No:57 DrawDate on:30/12/21
1st Prize ₹1 Crore/- 91E 21303
Cons. Prize Rs.1000/- 21303 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05366 06481 15068 23496 26400 27702 48626 53600 55247 76338
3rd Prize ₹450/-
0613 1967 3009 6660 7651 7862 8633 8903 9447 9913
4th Prize ₹250/-
1083 1280 4284 4967 5577 5582 5783 6103 6899 8398
5th Prize ₹120/-
0014 0027 0086 0252 0344 0361 0672 0819 1265 1376
1400 1536 1611 1700 1725 1785 1895 2116 2171 2323
2554 2566 2803 2929 3046 3205 3267 3432 3633 3763
3877 4276 4320 4367 4416 4515 4758 4789 4908 5202
5207 5278 5310 5343 5555 5663 5701 5879 5984 6064
6106 6115 6465 6513 6562 6581 6698 6708 6951 6966
6990 7188 7213 7259 7434 7444 7511 7552 7637 7741
7947 8012 8047 8088 8094 8135 8143 8217 8305 8306
8382 8540 8669 8685 8918 8969 8980 8982 8998 9028
9109 9112 9297 9414 9449 9520 9688 9743 9936 9945
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FALCON EVENING
Draw No:157 DrawDate on:30/12/21
1st Prize ₹1 Crore/- 65K 19318
Cons. Prize Rs.1000/- 19318 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
26901 31105 36979 39776 48181 61152 63878 66629 73803 94016
3rd Prize ₹450/-
0343 1155 2325 2381 4284 4423 4632 7183 8651 9520
4th Prize ₹250/-
1280 4109 4885 5664 6139 7635 8685 8698 9673 9846
5th Prize ₹120/-
0009 0037 0383 0542 0617 0635 0813 0947 1178 1217
1224 1284 1317 1523 1575 1627 1747 1834 1973 2089
2116 2158 2160 2187 2250 2279 2428 2582 2588 2831
2985 3183 3338 3341 3811 3818 3832 3887 4010 4075
4115 4355 4397 4437 4738 4907 4960 4968 5031 5042
5336 5430 5437 5515 5666 5710 5729 5774 5825 5937
6416 6445 6625 6627 6713 6788 6828 6869 7030 7150
7427 7479 7561 7626 7686 7694 7706 7755 7768 7848
7896 7955 8131 8275 8522 8541 8837 8968 8986 9091
9131 9156 9274 9355 9359 9402 9485 9715 9752 9775
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR VENUS THURSDAY
Draw No:57 DrawDate on:30/12/21
1st Prize ₹1 Crore/- 85K 53934
Cons. Prize Rs.1000/- 53934 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08308 14858 16955 21518 33202 39588 45535 71511 73469 98977
3rd Prize ₹450/-
1549 2352 4718 5124 5286 5919 6545 7242 7334 9868
4th Prize ₹250/-
0851 2792 4754 4909 5010 5200 5382 6648 7499 7653
5th Prize ₹120/-
0089 0102 0200 0260 0416 0456 0467 0594 0618 0633
0725 0934 0965 1131 1262 1292 1312 1375 1397 1509
1517 1653 2032 2109 2165 2200 2253 2329 2380 2552
2629 2886 2915 2939 2948 3288 3396 3413 3643 3788
3811 3815 3949 3951 4003 4062 4125 4192 4333 4493
4656 4711 4831 4874 4913 5064 5071 5201 5355 5395
5482 5525 5678 5730 6050 6081 6212 6243 6318 6369
6305 6556 6557 6800 6956 7105 7227 7364 7443 7521
7770 7912 7934 8015 8057 8384 8557 8558 8948 9043
9047 9057 9174 9201 9277 9534 9544 9717 9892 9950
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
Draw No:57 DrawDate on:29/12/21
1st Prize ₹1 Crore/- 94B 71191
Cons. Prize Rs.1000/- 71191 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00063 02062 07837 11289 32881 35423 54949 58588 59911 73780
3rd Prize ₹450/-
0887 2225 3156 4161 4413 6131 6176 6337 0416 9297
4th Prize ₹250/-
0487 1581 2430 3317 4428 6461 7043 7337 7810 9202
5th Prize ₹120/-
0205 0268 0317 0388 0480 0639 0719 0779 0908 1230
1286 1457 1712 1889 1917 1973 2083 2136 2219 2390
2463 2545 2601 2613 2672 2829 2877 2952 2960 2982
3021 3138 3147 3151 3164 3249 3271 3288 3463 3650
3789 3042 3931 3982 4015 4219 4316 4459 4585 4643
4709 4748 4756 4820 5249 5259 5326 5391 5648 5703
5762 5845 5902 5959 6130 6199 6206 6401 6439 6496
6548 6550 6662 6770 7185 7194 7327 7526 7700 7855
7886 7910 8051 8260 8262 8513 8668 8965 9050 9067
9068 9095 9140 9184 9380 9421 9437 9548 9707 9967
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
Draw No:157 DrawDate on:29/12/21
1st Prize ₹1 Crore/- 50D 26171
Cons. Prize Rs.1000/- 26171 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
16045 21136 25259 30689 50746 59347 75081 75399 75448 83083
3rd Prize ₹450/-
1277 5477 6065 6275 6444 7111 7928 8474 8683 8932
4th Prize ₹250/-
0350 2005 2756 2831 3007 4734 5831 6143 7161 9706
5th Prize ₹120/-
0162 0212 0215 0246 0442 0541 0549 0798 0911 0923
1000 1098 1151 1168 1188 1239 1428 1497 1563 1600
1648 1687 1723 1892 2014 2173 2522 2532 2614 2615
2616 2647 2669 2680 2748 2798 2863 2904 3005 3109
3281 3345 3405 3422 3429 3512 3620 3630 3732 3744
3784 4152 4154 4189 4221 4340 4657 5053 5098 5308
5546 5754 5766 5817 5835 5906 6115 6194 6341 6370
6387 6494 6507 6565 6686 6880 6893 7185 7201 7299
7430 7548 7559 7882 7932 7977 8018 8097 8204 8208
8533 8604 8613 8998 9079 9405 9530 9572 9781 9951
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
Draw No:57 DrawDate on:29/12/21
1st Prize ₹1 Crore/- 90A 09615
Cons. Prize Rs.1000/- 09615 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
13844 24135 48755 55134 55739 62369 68057 73768 90446 92981
3rd Prize ₹450/-
0925 2183 2931 4156 4205 4672 4707 8956 9067 9875
4th Prize ₹250/-
0236 0512 1182 1870 2124 6997 7221 7900 8390 8428
5th Prize ₹120/-
0295 0417 0462 0484 0506 0683 0829 0857 0992 1008
1022 1247 1327 1501 1514 1775 2242 2291 2326 2371
2413 2424 2444 2526 2539 2583 2615 2741 2956 2961
3131 3230 3249 3280 3311 3504 3534 3591 3592 3722
3726 3778 3888 4037 4087 4427 4458 4465 4509 4556
4645 4768 4814 4964 4965 4984 4992 5089 5290 5386
5392 5517 5536 5570 5863 5947 6204 6229 6268 6310
6379 6503 6680 7041 7042 7114 7153 7408 7765 7767
7795 7850 7966 8018 8541 8642 8659 8840 8897 9059
9094 9144 9145 9182 9352 9371 9452 9750 9809 9956
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

पेट्रोल पर रियायत

झारखंड सरकार अगर दोपहिया चालकों को 25 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल की रियायत देने जा रही है, तो यह फैसला न केवल ऐतिहासिक, बल्कि दूसरे राज्यों के लिए अनुकरणीय भी है। इस वर्ष पेट्रोल, डीजल के भाव में जिस तरह बढ़ोतरी हो रही थी, उसकी जरूरत सरकारों को भले हो, लेकिन इसकी निंदा भी खूब हो रही है। केंद्र सरकार और ज्यादातर राज्यों ने नंवबर की शुरुआत के बाद से ही वैट या उत्पाद शुल्क में कमी करके ग्राहकों को राहत देने की कोशिश की है। मई से लगातार हो रही वृद्धि के बाद एक समय तो ऐसा भी आया था, जब प्रति लीटर पेट्रोल पर महज उत्पाद शुल्क ही 40 रुपये के करीब और डीजल पर 30 रुपये के करीब पहुंचने लगा था। एक समय ऐसा लगने लगा था कि पेट्रोल की कीमत अब सौ रुपये से नीचे नहीं आएगी, लेकिन नवंबर में लोगों को राहत देने की कोशिश शुरू हुई। अब यदि लोगों को ज्यादा से ज्यादा राहत देने की होड़ शुरू हो जाए, तो आश्चर्य नहीं। अक्सर चर्चा होती रहती है कि गरीबों व जरूरतमंदों को ज्यादा राहत मिलनी चाहिए, पर इस दिशा में झारखंड सरकार की ताजा कोशिश एक मिसाल है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा किए गए एलान के बाद राज्य में मोटरसाइकिल और स्कूटर चालकों में खुशी की लहर है, और दूसरे राज्यों में भी लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पेट्रोल की कीमत अगर एकमुश्त 25 रुपये प्रति लीटर कम होती है, तो झारखंड में पेट्रोल की कीमत करीब 74 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। लगभग साढे. तीन साल पहले देश में पेट्रोल की कीमत यही थी। झारखंड में अभी पेट्रोल की कीमत दूसरे राज्यों से तुलनात्मक रूप से ज्यादा ही है। अत: स्वाभाविक ही राज्य सरकार पर कुछ दबाव भी होगा। वैसे झारखंड में दोपहिया चालकों को 26 जनवरी से यह लाभ मिलना शुरू होगा। हेमंत सोरेन की सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर यह राज्य के नागरिकों को एक तोहफा ही है, लेकिन इसे जन-जन तक पहुंचाने का काम आसान नहीं होगा। क्या यह रियायत देने के लिए हर पेट्रोल पंप पर दोपहिया वाहनों के लिए अलग से व्यवस्था करनी पड़ेगी? बड़े. पेट्रोल पंप पर इसे लागू करना आसान होगा, लेकिन दूरदराज के इलाकों में छोटे पेट्रोल पंपों पर इसे लागू करने में मुश्किल आ सकती है। इसके अलावा क्या यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि इस रियायत का दुरुपयोग नहीं होगा? अगर इसी कीमत पर चौपहिया वाहनों में भी पिछले दरवाजे से पेट्रोल भरने लगे, तो लगाम कैसे लगेगी? पेट्रोल पंपों की ईमानदारी वैसे भी संदेहास्पद ही रही है, तो रियायत की नई व्यवस्था से पारदर्शिता और प्रभावित होगी। गरीबों या जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने की कोई भी कोशिश स्वागतयोग्य है, लेकिन उनके लिए दी जा रही रियायत के रिसाव को कैसे रोका जाएगा? दिलचस्प यह है कि अब बाकी राज्य भी झारखंड की नई रियायत व्यवस्था के क्रियान्वयन को देखना चाहेंगे। इस अपेक्षाकृत नए राज्य के पास एक मौका है कि इस रियायत का यथोचित व्यावहारिक ढांचा विकसित हो, ताकि ईंधन के भाव बढ़ने पर कम आय वाले लोगों पर असर न पड़े। हम यह देख पा रहे हैं कि पेट्रोल के भाव बढ़ने से देश भर में सड़कों पर साइकिलों की संख्या बढ़ रही है। अत: इस देश में ईंधन संबंधी किसी भी रियायत या सब्सिडी को सही हाथों तक पहुंचाने की व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए।

राजनारायण जैसे लोग अब सियासत में क्यों नहीं?

गोपाल जी राय

सुप्रसिद्ध समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने एक बार कहा था कि 'जब तक राजनारायण जैसे लोग हैं, देश में तानाशाही असंभव है।' इसलिए आज मैं यह सवाल उठा रहा हूँ कि राजनारायण जैसे लोग अब सियासत में क्यों नहीं? क्या समाजवादी राजनीति में उनके जैसे लोगों का अकाल पड़ गया है?

आज के दौर में यह सवाल इसलिए अहम है कि समाजवादी सियासत करने वाले क्षेत्रीय दल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तानाशाही का आरोप लगाते नहीं थकते हैं। कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों की भी यही तोहमत है। यही वजह है कि मुझे अनायास राम मनोहर लोहिया की उपरोक्त टिप्पणी याद आई, जो उन्होंने राजनारायण सिंह को लेकर एक खास सियासी मौके पर कही थी।

सवाल है कि आखिर राजनारायण कौन हैं और भारतीय सियासत में उनकी रिक्तता क्यों महसूस की जा रही है, इसी बात की चर्चा मैं आगे करूँगा, ताकि भारतीय राजनीति के इस हरफनमौला योद्धा की ख्याति को उद्घाटित किया जा सके। बता दें कि राजनारायण भारत सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री थे और जनता पार्टी के उत्थान और पतन में उनकी केंद्रीय भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

कहा जाता है कि वह राजनारायण ही थे, जिन्होंने खुद को सर्वशक्तिमान समझने वाली तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को न्यायालय और मतदान (वोट) दोनों में शिकस्त दी थी। तब पीएम इंदिरागांधी पर भी उसी तरह से सियासी तानाशाही के आरोप लगाए जा रहे थे, जैसे कि आज भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हर ऐरे ग़ैरे नत्थू विपक्षी राजनैतिक लोगों द्वारा लगाए जा रहे हैं।

इसलिए सियासी हल्के में आज यह सवाल उठाए जा रहे हैं कि जिस तरह से कांग्रेस नेत्री इंदिरा गांधी को समाजवादी नेता राजनारायण ने कड़ी टक्कर देते हुए कोर्ट और वोट दोनों में तगड़ी शिकस्त दी थी। उसी तरह से आज बीजेपी नेता नरेंद्र मोदी को कड़ी टक्कर देते हुए तगड़ा शिकस्त देने में समाजवादी नेताओं की घिग्गी क्यों बंधी हुई है। यहां उनके जैसे जनहितैषी और जुझारू नेता का अकाल क्यों दिख रहा है, जबकि कई राज्यों में समाजवादी सियासी आधार उस राजनीतिक दौर के मुकाबले ज्यादा मजबूत है?

सवाल है कि क्या समाजवादी सियासत की विघटनकारी मानसिकता उसे इस कदर खोखली कर चुकी है कि उसके राजनेता अपने ही इतिहास को दुहराने के काबिल भी नहीं बचे! कभी एनडीए तो कभी यूपीए के साथ सियासी लुकाछिपी खेलने वाली समाजवादी सियासत अब जातिवाद और अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के भंवरजाल में फंसकर ऐसी ऊब चूब कर रही है कि निकट भविष्य में उससे उबरने के आसार भी दूर दूर तक नजर नहीं आ रहे हैं। आखिर ऐसा क्यों? क्या इसी समाजवादी दुर्दिन की परिकल्पना राममनोहर लोहिया और राजनारायण ने की थी। शायद नहीं!

याद दिला दें कि गुलाम भारत में सन 1917 की कार्तिक मास की अक्षय नवमी को अवतरित राजनारायण ताउम्र राममनोहर लोहिया के हनुमान के तौर पर सक्रिय रहे और अपनी अगड़धत्त राजनीतिक शैली के लिए वे विभिन्न तरह की आलोचनाओं के केंद्र में भी रहे, पर अपने सिद्धांतों से मृत्यपर्यंत तक कोई भी समझौता नहीं किये। उनका निधन 31 दिसम्बर 1986 को हुआ था। इसी दिन राजनारायण की लोकप्रियता का एहसास देश-दुनिया को हुआ था, जब उनकी शव यात्रा में बिन बुलाए हजारों लोग सड़कों पर उमड़ गए।

मानो दिल्ली-बनारस का माहौल कुछ पल के लिए थम सा गया हो। ऐसा इसलिए कि सबके लिए अपने जैसे ही थे राजनारायण, एक जिंदादिल राजनेता! उन्हें समझने के लिए हमलोगों को वर्ष 1950, 1960, 1970 और 1980 के दशक की सियासी परिस्थितियों और उससे अर्जित समाजवादी उपलब्धियों की ओर झांकना होगा, जहां उनके सियासी उत्थान-पतन की समस्त गाथाएं अंतर्निहित है।

कहना न होगा कि 1960 के दशक में जब राजनारायण राज्य सभा पहुंचे तो सियासी हल्के में यह कहा जाने लगा कि संसद में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के लिए दो शैलियां ही मशहूर हैं। एक शैली भूपेश गुप्त, नाथ पई, मधु लिमये जैसे नेताओं की है, जो अपनी तैयारी और तथ्यात्मक विश्लेषण से संसद का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते थे। तो दूसरी शैली राजनारायण की है, जिनकी गहरे जनसरोकार रखने वाली बुलंद आवाज, मजबूत कद-काठी, सौम्य पर मुद्दागत आक्रामक हंगामेदार स्वभाव और तर्कपूर्ण वाणी सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है।

राजनारायण को समझने के लिए कुछ राजनीतिक वाकयों की चर्चा करना यहां जरूरी समझता हूं। भारतीय संसदीय इतिहास में 4 मार्च 1953 का दिन इन अर्थों में ऐतिहासिक है कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा में न केवल मार्शल बुलाए गए, बल्कि प्राइमरी स्कूल के अध्यापकों की समस्याएं उठाने पर अड़े विधायक राजनारायण को सदन से घसीटकर बाहर निकाला गया। जिससे उनको कुछ शारीरिक चोटें भी आईं। तब इस घटना में शामिल सम्पूर्णानंद सरकार की काफी आलोचना प्रतिपक्ष द्वारा की गई, जिसके बाद से राजनारायण की लोकप्रियता और अधिक बढ़ती चली गई।

बता दें कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा में 21 अक्टूबर 1997 को जो हंगामा हुआ, वह संसदीय इतिहास का एक काला अध्याय है, जिसमें विधायकों ने माइक तोड़कर तत्कालीन अध्यक्ष केसरीनाथ त्रिपाठी पर हमला किया था। इसमें कई विधायक घायल भी हुए थे। तब भी कुछ क्षुद्र बुद्धिजीवियों के द्वारा राजनारायण को ही इस परंपरा के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। जबकि उनके गुजरे हुए 11 साल हो चुके थे।

कहना न होगा कि ऐसी विवादास्पद घटना के बीज 8 सितंबर 1958 को ही उत्तर प्रदेश की विधानसभा में पड़ चुके थे, जब कांग्रेस सरकार द्वारा गिरफ्तार अपने 987 कार्यकर्ताओं का मामला राजनारायण ने अपने साथी 12 विधायकों समेत उठाया था। लेकिन तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री संपूर्णानंद ने इस मसले पर सदन में चर्चा का विरोध किया, जिससे मामला बढ़ता गया। लेकिन राजनारायण भी अपनी मांग पर अंत अंत तक अड़े रहे।

इसके बाद सत्ता के मद में चूर मुख्यमंत्री संपूर्णानंद ने राजनारायण को विधानसभा से पंद्रह दिनों के लिए निष्कासन का प्रस्ताव पेश किया, जिसका समूचे विपक्ष ने एक स्वर में विरोध किया। हालांकि, सदन में कांग्रेस बहुमत में थी, इसलिए यह प्रस्ताव पारित हो गया। फिर भी राजनारायण ने सदन से निकलने से मना कर दिया। ततपश्चात सदन में मार्शल और सशस्त्र पुलिस बल बुलाया गया। जिन्होंने राजनारायण को घसीटा और उन्हें साथी 12 विधायकों समेत सदन के बाहर फेंक दिया गया। इसमें उन्हें चोट भी लगी।

संसदीय इतिहास में एक जनप्रतिनिधि समूह के साथ हुए ऐसे अन्याय से आहत समाजवादी नेता और राजनारायण के राजनीतिक गुरू डॉक्टर राम मनोहर लोहिया ने लखनऊ में खुद ही समाजवादी कार्यकर्ताओं के एक विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम को संबोधित किया और जो कुछ कहा, वही भविष्य की सियासी लकीर बन गई। तब लोहिया ने कहा था कि, 'जनता के हिमायती, संसदीय अधिकारों की रक्षा के योद्धा और सर्वोपरि हिंसा के दुश्मन और संसद में उतने ही, जितने उसके बाहर सिविल नाफरमानी के सिपाही की हैसियत से राजनारायण का नाम संसदीय इतिहास की परिचयात्मक छोटी-छोटी पुस्तकों में सुरक्षित रहेगा। उन्हें उस आदमी की हैसियत से याद किया जाएगा, जिसने अपने सिद्धांत का साक्षी अपने शरीर को बनाया। यह कहना बेहतर होगा कि राजनारायण ने संसदीय आईने को बेदाग और निष्कलंक रखने के लिए शारीरिक पीड़ा उठाई। चाटुकार और कपटी इसकी निंदा चाहे जितनी करें, यह संसदीय कार्यप्रणाली को दुरूस्त करने का बड़ा कारण होगा।'

तब राममनोहर लोहिया यहीं नहीं रूके। क्योंकि उन्होंने शायद भविष्य देख लिया था। उन्होंने दो टूक कहा था कि, जब तक राजनारायण जैसे लोग हैं, देश में तानाशाही असंभव है। महज 17 साल बाद ही लोहिया की यह भविष्यवाणी सही साबित हुई, जब सर्वशक्तिमान पीएम इंदिरा गांधी के रायबरेली का चुनाव कदाचार के आरोप में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजनारायण की ही एक याचिका पर खारिज कर दी। यही नहीं, ठीक इसके दो साल बाद हुए आम चुनावों में उन्होंने इंदिरा गांधी को रायबरेली के चुनावी मैदान में भी परास्त किया, जो किसी रोमांचककारी सियासत से कम नहीं।

अब बात करते हैं उनके जीवन से जुड़े कुछ अनछुए पहलुओं की। आपको यह पता होना चाहिए कि राजनारायण मुंहफट थे और हाजिरजवाबी भी। वो जमींदार परिवार के बेटे थे और काशी हिंदू विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई की थी। तब अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती थी। इसके बावजूद उन्होंने आजीवन फक्कड़ जीवन जिया और हिन्दी में काम करने और हिन्दी को ही आगे बढ़ाने का व्रत लिया था। राममनोहर लोहिया की भी यही सोच थी।

इस दिशा में राजनारायण को आर्यसमाज की विचारधारा से काफी मदद मिली थी। उन्हें संसद में खुलकर यह कहने में भी कोई संकोच नहीं होता था कि उन्हें हिंदी नहीं आती। एक राजनीतिक विश्लेषक के मुताबिक, 'एक बार उन्होंने तत्कालीन केंद्रीय मंत्री एस मोहन कुमार मंगलम को लेकर संसद में कोई बयान दिया। जिसका मोहन कुमार मंगलम ने अंग्रेजी में जवाब दिया। उन्होंने अंग्रेजी में बोलना शुरू किया और साथ में यह भी कह दिया कि राजनारायण अच्छी अंग्रेजी जानते हैं और उन्हें इसे समझने में कोई दिक्कत नहीं होगी।' तब राजनारायण ने खुलकर जवाब दिया था कि, 'मैं भारतवर्ष में पैदा हुआ हुं और हमारे माता-पिता में एक भी अंग्रेज नहीं बने। हमारी अंग्रेजी खराब है।....हमें अंग्रेजी कम आती है तो बुराई क्या है? क्या यह कोई हमारी मदर टंग है?' राष्ट्र भाषा को लेकर राजनारायण का दृढ़ विश्वास था कि राष्ट्रभाषा का मतलब पूरे राष्ट्र की भाषा होना। वैसे राष्ट्र भाषा का मतलब राष्ट्र की भाषा से भी लगाया जा सकता है।

आपको पता होना चाहिए कि अंग्रेजी के बरक्स राजनारायण अपने गुरु डॉक्टर राममनोहर लोहिया की तरह हिन्दी को दोनों ही अर्थों में सच्ची राष्ट्रभाषा मानते थे। उनका भी मानना था कि अंग्रेजी के कारण देसी भाषाओं का नुकसान होगा। गांधी जी की तरह वे भी केंद्र में हिंदी और राज्यों में देसी भाषाओं को देखना चाहते थे और गाहे- बगाहे इसकी चर्चा करते रहते थे। राजनारायण का भी मानना था कि हिन्दी किसी देसी भाषा को दबाएगी नहीं बल्कि उनके विकास में भागीदार होगी। फिर वे भी हिन्दी के विकास में सहयोगी बनेंगी।

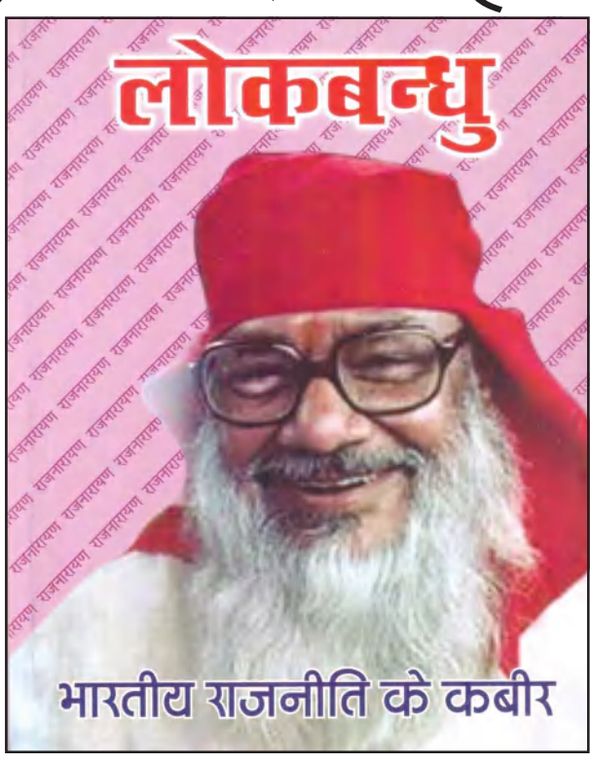

राजनारायण ने हिंदी और भारतीय भाषाओं को आपसी झगड़े से दूर रखने की भी अथक कोशिश की। यही वजह है कि उन्होंने अपने भाषणों में लोकभाषाओं से शब्दों को भी खूब लिया। चूंकि मूल रूप से वे भोजपुरी भाषी थे, लेकिन अवधी भी जानते थे, इसलिए अपने भाषणों में दोनों ही लोकभाषाओं से शब्दों को पिरोकर उन्हें चुटीला बनाने की कोशिश खूब की। कहना न होगा कि जैसे महात्मा गांधी ने राष्ट्रीयता और राष्ट्रभाषा के सवाल को एक साथ जोड़ दिया था। उनका मानना था कि राष्ट्रीय मन अंग्रेजी विरोधी और राष्ट्रभाषा समर्थक होगा। लोकबंधु राजनारायण की भी वैसी ही मान्यता थी। उनका यह भी मानना था कि हिंदी के लिए भाषा केंद्रित आंदोलन चलाने से हिंदी को उसका उचित सम्मान नहीं मिल पाएगा। इसलिए इसे आचरण में ढाला जाए। अनुप्रयोग में बढ़ावा दिया जाए।

राजनारायण मानते थे कि सेठ गोविंद दास, नागरी प्रचारिणी सभा जैसे व्यक्ति और संस्थाएं हिन्दी को लेकर जो आंदोलन चलाते हैं, वह सिर्फ भाषा केंद्रित हैं, शायद इसीलिए ही हिन्दी अपना वाजिब हक हासिल नहीं कर पा रही है। यही वजह है कि हिन्दी को लेकर राजनारायण ने 1958 में आंदोलन किया। लोहिया के अंग्रेजी हटाओ आंदोलन में 10 मई 1958 को सत्याग्रह करते हुए उन्होंने वाराणसी में सत्याग्रह किया था। जिसमें उनकी गिरफ्तारी हुई और उन्हें 19 महीने की सजा के साथ उन पर 400 रूपए का जुर्माना लगाया गया था।

वहीं, 1968 में जब राजभाषा संशोधन विधेयक पारित हुआ और हिन्दी को अनंत काल के लिए राष्ट्रभाषा के हक से वंचित कर दिया गया, तो इसके खिलाफ भी काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंदोलन किया, जिसका नेतृत्व राजनारायण ने किया था। इस आंदोलन का भी दमन करने के लिए विश्वविद्यालय में पुलिस जबर्दस्ती घुस गई। उस समय भी राजनारायण ने घोषित किया कि पुलिस प्रवेश से विश्वविद्यालय अपवित्र हो गया। पुलिस प्रवेश के खिलाफ विश्वविद्यालय के सिंहद्वार पर उन्होंने अनशन भी किया था।

आपको यह भी पता होना चाहिए कि आज भी देश में उच्च न्यायपालिका का कामकाज हिन्दी में कराने के लिए मांग हो रही है। इसे लेकर शिक्षा उत्थान न्यास जैसे संगठन लगातार प्रयत्नशील हैं। इसके बावजूद भी महज चार हाईकोर्ट में ही हिन्दी में कामकाज हो रहा है। वैसे बहुत कम लोग जानते हैं कि 1970 में ही राजनारायण ने सुप्रीम कोर्ट को हिंदी में पीठ बनाने के लिए मना लिया था। तब बाकायदा इसकी घोषणा भी हो गई थी। राजनारायण के प्रयासों से ही राष्ट्रीय अस्मिता को प्रभावित करने वाला सर्वोच्च न्याय जनभाषा में सुलभ होना शुरू ही होने वाला था, लेकिन किसी ने इस योजना में फच्चर फंसाया और यह महती योजना भी लागू होते-होते रह गई। कहने का तात्पर्य यह कि महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया, राजनारायण जैसे आम जनसरोकार रखने वाले नेताओं ने समय समय पर देशहित में कुछ अच्छा और सच्चा जरूर सोचा, पर एक हद से ज्यादा कामयाब इसलिए नहीं हो पाए, क्योंकि विघ्नसंतोषी जमात को वे समझ नहीं पाए! कल भी यही सियासी सच था, आज भी है, शायद कल भी रहेगा।

(लेखक बीओसी-डीएवीपी के सहायक निदेशक हैं)

क्या हमने इसी बांग्लादेश का सपना देखा था

तस्लीमा नसरीन

वर्ष 1971 में पाकिस्तान से युद्ध कर बांग्लादेश विजयी हुआ था। यह हम जानते हैं। हारे हुए पाकिस्तानी सैनिक सिर झुकाकर बांग्लादेश से चले गए थे। इस बारे में भी हम सब जानते हैं। लेकिन जिस आदर्श के लिए बांग्लादेश ने युद्ध किया था, विजय के पचास साल बाद उसने उस आदर्श को कितना बचाकर रखा है? इस प्रश्न का जवाब कौन किस तरह देगा, यह मैं नहीं कह सकती। लेकिन मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि उस आदर्श का आज कुछ भी नहीं बचा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तो मैं खुद ही हूं। मैं बांग्लादेश के मुक्तियुद्ध का सौ फीसदी समर्थन करती थी। आज भी उसी आदर्श के तहत मैं जी रही हूं, लिख-पढ़ रही हूं।

लेकिन उस देश में रहने का मेरा कोई अधिकार नहीं है। वर्ष 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने मुझे बांग्लादेश से निकाल बाहर किया था। मृत्युशय्या पर पड़ी मां को देखने के लिए मैं प्रधानमंत्री शेख हसीना के तेवर की परवाह किए बगैर बांग्लादेश चली गई थी, लेकिन तीन महीने बाद ही जनवरी, 1999 में शेख हसीना ने भी मुझे खालिदा जिया की तरह देश से बाहर निकाल दिया था। तब से मैं एकाकी जीवन बिता रही हूं।

मैं क्या मुक्तियुद्ध में शत्रु सेना के सहयोगी अल बदर, रजाकार या अल शम्स से जुड़ी हुई थी? नहीं, मैं मुक्तियुद्ध की समर्थक थी और मेरे परिवार के कई लोगों ने उस युद्ध में हिस्सेदारी की थी। मैंने कोई ऐसा काम भी नहीं किया था, जिस कारण मुझे इतनी सख्त सजा मिलती। मैं एक उदार और धर्मनिरपेक्ष परिवार में डॉक्टर पिता की संतान थी, और मेडिकल की पढ़ाई कर खुद डॉक्टर बनी थी। एक सरकारी डॉक्टर के रूप में वर्षों तक मैंने गांवों-कस्बों के स्वास्थ्य केंद्रों में अपनी सेवाएं दीं, यहां तक कि ढाका के सरकारी अस्पतालों में भी मैंने काम किया। डॉक्टरी के साथ-साथ साहित्य भी मेरा शौक था। जब मैं किशोरी थी, तभी से कविताएं लिखती थी। और अपनी कहानियों, उपन्यासों, लेखों में मैंने क्या लिखा? मैंने हमेशा ही धर्मनिरपेक्षता, गणतंत्र, समाजवाद, नारी-पुरुष का समानाधिकार और मानवता पर लिखा है। अपने लेखन में मैंने कट्टरता, नारी-विद्वेष, आतंकवाद और सांप्रदायिकता का घनघोर विरोध किया। नतीजतन स्वतंत्र बांग्लादेश में जड़ जमाए पाकिस्तान परस्त वह ताकत मेरे खिलाफ सक्रिय हो उठी, जो मुक्तियुद्ध, बांग्लादेश की भावना और धर्मनिरपेक्षता व मानवता-विरोधी थी।

मुझे कट्टरवाद का विरोध करने के कारण बांग्लादेश से निकाला गया। चाहे वह खालिदा जिया हों या शेख हसीना, मुश्किलों के वक्त मेरे साथ खड़े होने के बजाय उन्होंने पाकिस्तान परस्त कट्टरपंथियों का साथ दिया। मुझे पराजित कर उन दोनों ने कट्टरपंथियों को जिताया। मुझे देश से निकालकर उन्होंने कुछ लोगों को धर्म की राजनीति करने का अवसर दिया। तथ्य यह है कि बांग्लादेश की सभी सरकारों ने मुक्तियुद्ध-विरोधी ताकतों को महत्व दिया है, उनकी तमाम मांगें मान ली हैं। यही नहीं, आजादी के बाद के इन पांच दशकों में उन्होंने बांग्लादेश को पाकिस्तान के अनुरूप ही आकार दिया है। सत्ता में आने पर जमात-ए-इस्लामी या हिफाजत-ए-इस्लामी जैसे दल जो फैसले लेते, बीती सदी के आठवें दशक की जियाउर रहमान की सरकार से लेकर आज की शेख हसीना की सरकार तक ने कमोबेश वही फैसले लिए हैं।

पचास साल पहले जिस मुक्तियुद्ध में बांग्लादेश को विजय मिली थी, उस युद्ध में मेरे परिवार के लोग शामिल थे। हमारा परिवार भी पाकिस्तान के सैनिकों के अत्याचार का शिकार हुआ था। मेरे पिता को घोर यातनाएं देने के बाद पाक सैनिक उन्हें लगभग मृत हालत में हमारे घर के बाहर फेंक गए थे। हमारे घर में घुसकर उन्होंने लूट मचाई थी। कैंपों में ले जाकर महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था। स्वाधीन बांग्लादेश में भी हमारे परिवार पर जुल्म ढाए गए। जिस तरह पाकिस्तानी सैनिकों ने बांग्लादेश के प्रगतिशील कवियों, लेखकों, दार्शनिकों, चित्रकारों, गायकों, फिल्मकारों की नृशंस तरीके से हत्या की थी, ठीक उसी तरह स्वतंत्र बांग्लादेश में उदार और धर्मनिरपेक्ष लोग सरकार समर्थित कट्टरवादियों के लगातार निशाने पर हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी कट्टरवादी सोच के समर्थक निरंतर बढ़ते जा रहे हैं। अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए सरकार कट्टरवादियों का साथ दे रही है।

ओमिक्रॉन संक्रमण ने वैज्ञानिकों को उलझाया

कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन को लेकर वैज्ञानिक अभी भी उलझन में हैं, क्योंकि इसकी भयावहता को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में जहां इसका प्रकोप सबसे ज्यादा रहा है, वहां किए गए एक अध्ययन में दावा किया गया है कि इसके संक्रमण के मामले हल्के हैं तथा पूर्व के संक्रमणों की तुलना में अस्पताल में भर्ती किए जाने की जरूरत कम पड़ रही है। नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि ओमीक्रोन संक्रमण में पूर्व की तुलना में अस्पताल में भर्ती किए जाने की दर 29 फीसदी कम है। यह दावा एक स्वास्थ्य बीमा कराने वाली एजेंसी के आंकड़ों को आधार बनाकर किया गया है। लेकिन इसी रिपोर्ट में डेनमार्क के आंकड़ों का जिक्र किया गया है, जिसमें दावा है कि ओमीक्रोन एवं डेल्टा पीड़ितों के अस्पताल में भर्ती होने की दर में अंतर नहीं दिखता है। ब्रिटेन में भी ओमीक्रोन के मामले बढ़ रहे हैं तथा कुल मामलों में अभी तीन फीसदी मामले डेल्टा के पाए जा रहे हैं। लेकिन इस बीच इंपीरियल कालेज लंदन ने कहा कि ओमीक्रोन संक्रमितों के अस्पताल में भर्ती होने की दर डेल्टा की तुलना में कम नहीं प्रतीत होती है। एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी के एपिडेमोलाजिस्ट मार्क वुलहाउस ने कहा कि अभी यह आंकड़े बेहद सीमित दायरे के हैं। इसलिए किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता है तथा इसके आधार पर कोई नीतिगत निर्णय नहीं लिया जा सकता है। नई दिल्ली स्थित वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन के निदेशक प्रोफेसर जुगल किशोर कहते हैं कि अस्पताल में कितने ओमीक्रोन पीड़ित भर्ती हुए या नहीं इससे कोई नतीजा नहीं निकलता है। क्योंकि किसी देश में मध्यम लक्षणों वाले को अस्पताल में भर्ती करने की नीति है तो कहीं सिर्फ गंभीर मरीजों को ही भर्ती किया जाता है। यह उस देश की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर भी निर्भर करता है।

डेढ़ से दो दिन में केस दोगुने हो रहे

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना का नए वेरिएंट ओमीक्रोन को लेकर बड़ी जानकारी दी। संगठन का कहना है कि डेढ़ से दो दिन में ओमीक्रोन के मामले दोगुने हो रहे हैं। जो चिंताजनक है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने एक बार फिर कहा कि अभी भी इस बात के पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि कोरोना वैक्सीन ओमीक्रोन के खिलाफ कितनी असरदार है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि ओमीक्रोन उन देशों में डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले अधिक तेजी से फैल रहा है जहां कम्यूनिटी ट्रांसमिशन दर्ज किया जा चुका है। वहां भी यह तेजी से बढ़ा है जहां बड़ी संख्या में लोग इम्यूनिटी हासिल कर चुके हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो जहां बड़ी आबादी को टीका लग चुका है। भारत भी उन देशों में शामिल है।

इंसोमनिया और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का कॉकटेल है कॉस्मिया

क्या आप 'इंसोमनिया' के साथ-साथ 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' से भी जूझ रहे हैं? अगर हां तो संभल जाइए। 'यूरोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल' में छपे एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' के कॉकटेल यानी 'कॉस्मिया' को ज्यादा घातक करार दिया गया है। शोधकर्ताओं ने इसका सामना करने वाले लोगों में हृदयरोगों से मौत का खतरा कई गुना ज्यादा पाया है।

सबसे आम बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' नींद से जुड़ी सबसे आम बीमारियां हैं। वैश्विक स्तर पर 10 से 30 फीसदी आबादी के इनके शिकार होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित भी मौजूद हैं, जिन्हें दोनों की शिकायत होती है।

क्या हैं प्रमुख लक्षण

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि 'इंसोमनिया' में व्यक्ति को सोने में दिक्कत, बार-बार नींद टूटने और जल्द आंख खुलने की शिकायत सताती है। वहीं, 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' में खर्राटे, गला चोक होने और सांस लेने में तकलीफ की समस्या आम है।

हाइपरटेंशन का जोखिम

डॉ.बेस्टियन लेचत के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने नींद की बीमारियों से जूझ रहे 5000 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया। इस दौरान 'कॉस्मिया' के शिकार लोगों में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का खतरा दोगुना मिला। उनमें हृदयरोगों की आशंका भी 70 फीसदी ज्यादा पाई गई।

असामयिक मौत का खतरा

कॉस्मिया' से पीड़ित लोगों के वक्त से पहले मौत का शिकार होने का जोखिम भी 47 फीसदी अधिक दर्ज किया गया है। चूंकि, 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' का कॉकटेल ज्यादा जानलेवा है, इसलिए एक का सामना कर रहे मरीज में दूसरे के लक्षणों पर भी गौर फरमाना जरूरी है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि ठंड के दिनों में खाने के लिए कुछ खास नहीं होता है। अन्य मौसम के मुकाबले ठंड में कई सारी चीजें होती है जो आपको स्वस्थ भी रहती है और संक्रमण से भी बचाती है। हालांकि ठंड में पानी कम पीते हैं जिससे डाइजेशन की समस्या हो जाती है साथ ही ठंड में दही नहीं खाने की सलाह दी जाती है। ऐसे में डाइजेशन के लिए सबसे बेहतर विकल्प बंद हो जाता है। लेकिन आप किशमिश के साथ दही का सेवन करेंगे तो वो बेहद फायदेमंद होगा।

ठंड में दही के साथ खाएं थोड़ी सी किशमिश मिलेंगे बेमिसाल फायदे

किशमिश में भरपूर मात्रा में आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम होता है। वहीं दही में कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन, आयरन, विटामिन बी6, विटामिन बी 12 जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इन दोनों चीजों को साथ में खाने से भरपूर पोषण मिलता है। तो आइए जानते हैं दही और किशमिश को साथ में खाने के फायदे

इम्युनिटी

दोनों को मिक्स कर खाने से इम्युनिटी मजबूत होती है। इसमें भरपूर एंटीऑक्सीडेंट रहता है। जिससे संक्रमण की चपेट में आने से बच जाते हैं।

पाचन क्रिया को करें दुरस्त

ठंड में आपकी पाचन क्रिया कमजोर नहीं होती है दरअसल, पानी नहीं पीने से प्रभावित होती है। जिससे भोजन पूरी तरह से डाइजेस्ट नहीं हो पाता है। और पेट खराब हो जाता है। इसलिए ठंड के मौसम में प्यास नहीं लगने पर भी पानी पीते रहना चाहिए।

त्वचा को निखारे

अगर आप चेहरे को निखारने के लिए चेहरे पर कुछ न कुछ लगाती है लेकिन निखार नहीं आता है तो दही और किशमिश खाएं। इसका सेवन करने से चेहरे का ग्लो बढ़ेगा स्किन सॉफ्ट और स्मूथ बनेगी।

एनर्जी बढ़ाए

जी हां, इसका सेवन करने से एनर्जी लेवल बढ़ेग। दरअसल, दही आपके इम्यूनिटी बढ़ाता है। वहीं दाख ठंड के मौसम का ही है। जब आपक मौसमी चीजें खाते हैं तो आपका रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। और जब इम्युनिटी स्ट्रांग होती है तो किसी संक्रमण की चपेट में जल्दी नहीं आते और जल्दी ठीक हो जाते हैं।

उषा पान करने के चमत्कारिक फायदे

उषा पान का आयुर्वेदिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है। हमारे ऋषि-मुनि और प्राचीनकाल के लोग उषा पान करके सेहतमंद बने रहते थे। परंतु आधुनिक युग में व्यक्ति यह सबकुछ भूल गया है। क्या आपको पता है कि उषा पान क्या होता और क्या आपको यह भी पता है कि उषापान करने के क्या फायदे हैं। यदि नहीं तो जानिए कि यह क्या होता है।

उषा पान क्या होता है ?

हिन्दू धर्मानुसार दिन-रात मिलाकर 24 घंटे में आठ प्रहर होते हैं। औसतन एक प्रहर तीन घंटे या साढ़े सात घटी का होता है जिसमें दो मुहूर्त होते हैं। एक प्रहर एक घटी 24 मिनट की होती है। दिन के चार और रात के चार मिलाकर कुल आठ प्रहर।आठ प्रहर के नाम : दिन के चार प्रहर- 1पूर्वान्ह, 2मध्यान्ह, 3अपरान्ह और 4सायंकाल। रात के चार प्रहर- 5.प्रदोष, 6निशिथ, 7त्रियामा एवं 8उषा। इसमें से जो उषा काल है उस दौरान उठकर पानी पीने को ही उषा पान कहते हैं। परंतु आजकल लोग ऐसा नहीं करते क्योंकि लोगों की दिनचर्या बदल गई है और वे सुबह जल्दी नहीं उठ पाते हैं। ऐसे में जब वे देर रात को खाना खाते हैं तो उस दौरान पानी पी लेते हैं और फिर उन्हें उषा काल में पानी की प्यास नहीं लगती है। यदि लगती भी है तो वे नींद के आलस के मारे उठकर पानी नहीं पीते हैं।

उषा पान के 10 फायदे

- रात के चौथे प्रहर को उषा काल कहते हैं। रात के 3 बजे से सुबह के 6 बजे के बीच के समय को रात का अंतिम प्रहर भी कहते हैं। यह प्रहर शुद्ध रूप से सात्विक होता है। इस प्रहर में जल की गुणवत्ता बिल्कुल बदल जाती है। इसीलिए यह जल शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा है।
- शरीर की जैविक घड़ी के अनुसार इस समय में फेफड़े क्रियाशील रहते हैं। यदि हम इस काल में उठकर गुनगुना पानी पीकर थोड़ा खुली हवा में घूमते या प्राणायाम करते हैं तो फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है, क्योंकि इस दौरान उन्हें शुद्ध और ताजी वायु मिलती है।
- यदि ऐसा करते हैं तो जब प्रात : 5 से 7 बजे के बीच हमारी बड़ी आंत क्रियाशील रहती है तब इस बीच मल त्यागने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती है। जो व्यक्ति इस वक्त सोते रहते हैं और मल त्याग नहीं करते हैं उनकी आंतें मल में से त्याज्य द्रवांश का शोषण कर मल को सुखा देती हैं। इससे कब्ज तथा कई अन्य रोग उत्पन्न होते हैं।
- 'काकचण्डीश्वर कल्पतन्त्र' नामक आयुर्वेदीय ग्रन्थ के अनुसार रात के पहले प्रहर में पानी पीना विषतुल्य, मध्य रात्रि में पिया गया पानी दूध सामान और प्रात : काल (सूर्योदय से पहले उषा काल में) पिया गया जल मां के दूध के समान लाभप्रद कहा गया हैं।
- आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' के अनुसार जो मनुष्य सूर्य उदय होने के निकट समय में आठ प्रसर (प्रसृत) मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर 100 वर्ष से भी अधिक जीवित रहता हैं।
- उषापान करने से कब्ज, अत्यधिक एसिडिटी और डाइस्पेसिया जैसे रोगों को खत्म करने में लाभ मिलता है।
- उषापान करने वाले की त्वचा भी साफ और सुंदर बनी रहती है।
- प्रतिदिन उषापान करने से किडनी स्वस्थ बनी रहती है।
- प्रतिदिन उषापान करने से आपको वजन कम करने में भी लाभ मिलता है।
- उषापान करने से पाचन तंत्र दुरुस्त होता है।

खास बातें

- तांबे के लोटे में पीए पानी। रात में तांबे के बरतन में रखा पानी सुबह पीएं तो अधिक लाभ होता है।
- वात, पित्त, कफ, हिचकी संबंधी कोई गंभीर रोग हो तो पानी ना पीएं।
- अल्सर जैसे कोई रोग हो तो भी पानी ना पीएं।

मध्य रात्रि में दूध तथा सूर्योदय से ठीक पहले किया गया उषा पान अमृत समान

गंदगी को शरीर से बाहर निकाल फेंकने के लिए उषा पान जैसा अस्त्र भारतीय परम्परा की ही देन हैं, जो भारतीय महाऋषियों के शरीर विषयक सूक्ष्म एवं विषद अध्ययन की खूबसूरत अभिव्यक्ति हैं.कहा जाता है की उनकी इस खोज ने अच्छे-अच्छे व्यक्ति को आज फिट बना के रखा है.

बर्तन का महत्व

लोहे के बर्तन में रखा हुआ दूध और ताम्बे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने वाले को कभी यकृत (लिवर) और रक्त (ब्लड) सम्बन्धी रोग नहीं होते और उसका रक्त हमेशा शुद्ध बना रहता हैं.उषा पान के लिए पिया जाने वाला जल ताम्बे के बर्तन में रात भर रखा जाए, तो उस से और भी स्वस्थ्य लाभ प्राप्त हो सकेंगे.जल से भरा ताम्बे का बर्तन सीधे भूमि के संपर्क में नहीं रखना चाहिए, अपितु इसको लकड़ी के टुकड़े पर रखना चाहिए. और पानी हमेशा नीचे उकडू (घुटनों के बल - उत्कर आसान) बैठ कर पीना चाहिए.ऐसे लोग जिन्हे यूरिक एसिड बढे होने की शिकायत हैं, उनके लिए तो सुबह उषा पान करना किसी रामबाण औषधि से कम नहीं.

प्रात : काल रात्रि के अंतिम प्रहार में पिया जाने वाल जल दूध इत्यादि को आयुर्वेद एवं भारतीय धर्म शास्त्रो में उषा पान शब्द से संबोधित किया गया हैं.सुप्रसिद्ध आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' सूर्य उदय होने के निकट समय में जो मनुष्य आठ प्रसर (प्रसृत) मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर सौ वर्ष से भी अधिक जीवित रहता हैं.

उषा पान कब करना चाहिए

प्रात : काल बिस्तर से उठ कर बिना मुख प्रक्षालन (कुल्ला इत्यादि) किये हुए ही पानी पीना चाहिए.कुल्ला करने के बाद पिए जाने वाले पानी से सम्पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता.ध्यान रहे पानी मल मूत्र त्याग के भी पहले पीना हैं.

जल की नैसर्गिक शक्ति

जल में एक नैसर्गिक विद्युत होती हैं, जो रोगो का विनाश करने में समर्थ होती हैं.इसलिए जल के विविध प्रयोगो से शरीर के सूक्ष्म अति सूक्ष्म, ज्ञान तंतुओ के चक्र पर अनूठा प्रभाव पड़ता हैं, जिस से शरीर के मूल भाग मस्तिष्क की शक्ति एवं क्रियाशीलता में चमत्कारिक बढ़ोतरी होती हैं.

क्या होता है आंखों का लकवा

कई बार सेहत के प्रति लापरवाही बरतने या फिर जागरुकता की कमी की वजह से व्यक्ति को गंभीर रोगों का शिकार होना पड़ता है। ऐसा ही एक रोग है आंखों का लकवा। ऑक्यूलर पैरालिसिस आंखों से जुड़ी ऐसी गंभीर बीमारी है जिसकी अनदेखी करने पर व्यक्ति की नजर पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। आइए जानते हैं आखिर क्या है यह रोग, इसके लक्षण और बचाव के तरीके।

क्या है आंखों का लकवा

ऑक्यूलर पैरालिसिस को हिंदी भाषा में आंखों का लकवा कहते हैं। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें आंखों की पुतलियों का चलना-हिलना बंद हो जाता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को देखने में परेशानी होने लगती है। दरअसल हर व्यक्ति की आंखों में 6 एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स होते हैं। जिसमें से 4 रेक्टाइ और 2 ऑबलिक मसल्स होते हैं। एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स की मदद से ही व्यक्ति अपनी आंखों को दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे हिला पाता है। यदि किसी कारण इन एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स में आंशिक रूप से लकवा हो जाए तो फिर आइबॉल का मूवमेंट प्रभावित हो जाता है और व्यक्ति चाहते हुए भी अपनी आइबॉल को गति में नहीं ला पाता है। इसी स्थिति को आंखों का लकवा कहा जाता है।

आंखों के लकवा के लक्षण

- आंखों में तेज दर्द के साथ आंखें लाल होना और आंखों से लगातार पानी बहते रहना।
- आंखों की पुतलियों का अचानक से एक ही दिशा में बने रहना या पलकें नीचे गिर जाना।
- डबल विजन जिसमें व्यक्ति को एक वस्तु दो दिखाई देती है।
- मरीज का जी मिचलाना और चक्कर आना।

नई पीढ़ी लीडरशिप के लिए तैयार

रिलायंस ग्रुप के उत्तराधिकार के मसले पर पहली बार बोले मुकेश अंबानी

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने अपने ग्रुप के उत्तराधिकार के मसले पर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी लीडरशिप के लिए तैयार है। आकाशए, ईशा और अनंत हमसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। रिलायंस की नींव रखने वाले धीरूभाई अंबानी ने कहा, युवा पीढ़ी अब लीडरशिप की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब मैं उत्तराधिकार की प्रक्रिया को तेज करना चाहता हूं। हमें नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करना चाहिए। उन्हें सक्षम बनाना चाहिए। उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए और बैठकर तालियां बजानी चाहिए। अंबानी ने कहा, मैं हर दिन रिलायंस के लिए बच्चों के जुनून, कमिटमेंट और समर्पण को देख और महसूस कर सकता हूं। मैं उनमें वही आग और काबिलियत देखता हूं, जो मेरे पिता के पास लाखों लोगों के जीवन में बदलाव लाने और भारत के विकास में योगदान देने के लिए थी। अंबानी ने कहा कि जैसे ही हम रिलायंस के स्वर्णिम दशक के दूसरे भाग में प्रवेश कर रहे हैं, मैं आपको बता सकता हूं कि हमारी कंपनी का भविष्य मुझे पहले से कहीं अधिक उज्जवल दिख रहा है। मैं विश्वास के साथ दो

भविष्यवाणियां कर सकता हूं। सबसे पहले, भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। दूसरा, रिलायंस दुनिया की सबसे मजबूत और सबसे प्रतिष्ठित भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों में से एक बन जाएगी। 64 वर्षीय अंबानी ने 2002 में अपने पिता की मृत्यु के बाद रिलायंस के चेयरमैन के रूप में पदभार संभाला। उनके तीन बच्चे, आकाश, ईशा और अनंत रिलायंस के टेलिकॉम, रिटेल और एनर्जी बिजनेस में शामिल हैं। इनमें से कोई भी रिलायंस के बोर्ड में नहीं है, लेकिन वे कंपनी के प्रमुख वर्टिकल में डायरेक्टर्स हैं।

रिलायंस के भविष्य के विकास की नींव रखी जाए

अंबानी ने कहा कि समय आ गया है कि इस बड़े अवसर का लाभ उठाकर रिलायंस के भविष्य के विकास की नींव रखी जाए। रिलायंस एक कपड़ा कंपनी के रूप में शुरू हुई थी। अब विभिन्न बिजनेस में शामिल है। इसकी ऑयल टू केमिकल वाली कंपनी अब रिटेल, टेलिकॉम, ई-कॉमर्स जैसे सेक्टर में नंबर वन बनी है। इसके प्रोडक्ट हर दिन लोगों के जीवन को छूते हैं। उन्होंने कहा कि हमने अपने एनर्जी बिजनेस को पूरी तरह से नया रूप दिया है। अब रिलायंस क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी और मटेरियल्स में ग्लोबल लीडर बनने की ओर अग्रसर है। हमारे सबसे पुराने बिजनेस का यह परिवर्तन हमें रिलायंस के लिए सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन प्रदान करेगा।

लिस्टेड कंपनियों में अलग होंगे चेयरमैन और एमडी

अंबानी का बयान लिस्टेड कंपनियों में चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पदों को अलग करने के लिए सेबी की अप्रैल 2022 की समय सीमा से पहले आया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने लिस्टेड कंपनियों के लिए अपने नए मानदंडों का पालन करने के लिए समय सीमा बढ़ा दी है। मैं उद्योग जगत से केवल इसका पालन करने की अपील कर सकता हूं। इस साल जून में रिलायंस की वार्षिक सभा में अंबानी ने तीन वर्षों में क्लीन एनर्जी में 75000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की थी, क्योंकि कंपनी फ्यूल फॉसिल से दूर हो गई थी। रिटेल एंड टेलिकॉम जियो बिजनेस पर अंबानी ने कहा कि अकेले पिछले एक साल में हमने लगभग दस लाख छोटे दुकानदारों को जोड़ा है और लगभग एक लाख नए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। यह ग्रोथ इंजन हमारे पार्टनर्स और कर्मचारियों के लिए असीमित अवसर प्रदान करके महत्वपूर्ण सोशल वैल्यू बनाना जारी रखेगा।

सरकार की देनदारी सितंबर तिमाही में बढ़ी

125.71 लाख करोड़ रुपए पहुंची

नई दिल्ली। सरकार की कुल देनदारी चालू वित्त वर्ष 2021-22 की सितंबर तिमाही में बढ़कर 125.71 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गयी जबकि जून तिमाही में यह 120.91 लाख करोड़ रुपए थी। सार्वजनिक ऋण प्रबंधन रिपोर्ट के अनुसार वृद्धि 2021-22 की जुलाई-सितंबर में तिमाही में आधार पर 3.97 प्रतिशत है। निरपेक्ष रूप से कुल देनदारी उछलकर सितंबर तिमाही में 12571747 करोड़ रुपए पहुंच गयी। इसमें सरकार के लोक लेखा के तहत आने वाली देनदारी शामिल है। जून तिमाही के अंत में कुल देनदारी 12091193 करोड़ रुपए थी। वित्त मंत्रालय की मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट के अनुसार सितंबर तिमाही में कुल बकाया देनदारी में सार्वजनिक ऋण की हिस्सेदारी 91.15 प्रतिशत थी। जून तिमाही में यह 91.60 प्रतिशत थी।

एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने एचआर खान को स्वतंत्र निदेशक बनाया

मुंबई । भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक न हारुन राशिद खान को तीन साल की अवधि के लिए शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन बोर्ड में गैर कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक, एडिशनल डायरेक्टर नियुक्त करने की घोषणा की। नियुक्ति की घोषणा करते हुए एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एमडी और सीईओ, संजय अग्रवाल ने कहा, बैंक के निदेशक मंडल में श्री खान का स्वागत करते हुए हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं और बोर्ड में शामिल होने के लिए अपनी सहमति देने के लिए हम उनके आभारी हैं। जब हम बैंक की ग्रोथ के अगले चरण की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं तो फाइनेंशियल सर्विसेस इकोसिस्टम में उनके लंबे और डायवर्स अनुभव से बैंक को बहुत फायदा होगा। वह सोच-विचार के लिए एक नया नजरिया पेश करेंगे। बोर्ड पूरी तरह उनके साथ मिलकर काम करने की उम्मीद कर रहा है। उनकी नियुक्ति बोर्ड और उसकी स्वतंत्रता को मजबूत करने के बैंक के प्रयास का हिस्सा है। उनकी नियुक्ति के बारे में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के बोर्ड के अध्यक्ष, राज विकास वर्मा ने कहा, अपने मजबूत रेगुलेटरी बैक ग्राउंड और करियर सेंट्रल बैंकर के रूप में चार दशकों से अधिक के लंबे अनुभव के साथ श्री खान का बोर्ड में शामिल होना एक स्वागत योग्य कदम है। बैंक अपनी बैलेंस शीट का विस्तार करना जारी रखे हुए है। बोर्ड में उनके शामिल होने से बैंक के गवर्नेंस इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। सेंट्रल बैंकर एचआर खान को बैंकिंग एंड फाइनेंस पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स, इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल मार्केट्स में चार दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप अपनी सेवाएं दी हैं। आरबीआई में उन्होंने डायवर्स एरियाज को हैंडल किया और फाइनेंशियल मार्केट्स, फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट, एक्सटर्नल इंवेस्टमेंट्स, बैंकिंग रेगुलेशन और सुपरविजन, आईटी ट्रांसफॉर्मेशन, पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स, ट्रेनिंग एंड एचआर इनिशिएटिव्स और फाइनेंशियल इनक्लूजन से संबंधित अहम प्रोजेक्ट्स को लीड किया।

58 हजारी होकर गिरा बाजार

सेंसेक्स 91 अंक गिरकर बंद

मुंबई । वैश्विक स्तर की तेजी और अर्थव्यवस्था के मजबूत रहने की उम्मीद से उत्साहित निवेशकों की लिवाली की बदौलत बुधवार को 58 हजार के शिखर पर पहुंचा सेंसेक्स अंतिम समय में हुई बिकवाली के दबाव में पिछले सत्र की तेजी गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 90.99 अंक उतरकर 57,806.49 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 19.65 अंक की मामूली गिरावट लेकर 17,213.60 अंक पर रहा। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत छोटी और मझौली कंपनियों के प्रति निवेशकों की

निवेश धारणा मजबूत रही। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.13 फीसदी चढ़कर 24,684.86 अंक और स्मॉलकैप 0.49 प्रतिशत उछलकर 29,066.03 अंक पर रहा। वैश्विक बाजार में तेजी का रुख रहा।

बैंकों का एनपीए बढ़ने की आशंका

एनपीए बढ़कर 9.3 प्रतिशत हो सकता है : आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को कहा कि बैंकों के अवरुद्ध ऋणों एनपीए का अनुपात गंभीर दबाव की स्थिति में सितंबर 2022 तक बढ़ कर कुल बकाया ऋण के 9.5 प्रतिशत तक जा सकता है।

रिजर्व बैंक की नयी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा गया है कि ऋणों पर जोखिम को लेकर वृहद दबाव की जांच से संकेत मिलता है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित आस्तियों जीएनपीए सितंबर 2021 के 6.9 प्रतिशत की तुलना में सामान्य स्थिति में सितंबर 2022 में 8.1 प्रतिशत और गंभीर दबाव की स्थिति में जीएनपीए 9.5 प्रतिशत तक जा सकती है। आरबीआई की इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बैंकों के पास सम्मिलित रूप से और व्यक्तिगत स्तर पर भी तनाव से निपटने के लिए पर्याप्त पूंजी उपलब्ध होगी। इस रिपोर्ट में एमएसएमई और सूक्ष्म वित्त क्षेत्र पर बढ़ते दबाव को देखते हुए इन पर गहराई से ध्यान देने की जरूरत है। आरबीआई की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड के संक्रमण के बढ़ने से वर्ष 2021 की दूसरी छमाही में वैश्विव आर्थिक हालात में सुधार की गति टूटी है। कोविड के नये ओमिक्रॉन संस्करण के संक्रमण के कारण आपूर्ति श्रृंखला फिर प्रभावित हुई है, मुद्रास्फीति ऊंची हुई है और केंद्रीय बैंकों ने मौद्रिक नीति का रुख बदला है। इसका असर दिख रहा है।

वृद्धि की राह में बाधा बन सकता है ओमीक्रोन

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे गति पकड़ रही है और मजबूत बनी हुई है, लेकिन बढ़ते मुद्रास्फीति दबाव के साथ कोरोना वायरस का नया स्वरूप ओमिक्रॉन एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। रिजर्व बैंक ने यह बात बुधवार को जारी दूसरी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कही है। रिपोर्ट की प्रस्तावना में रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने लिखा है कि इस साल अप्रैल-मई में विनाशकारी कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के बाद वृद्धि परिदृश्य धीरे-धीरे बेहतर हुआ है। लेकिन वैश्विक घटनाक्रमों और हाल में सामने आये वायरस के नए स्वरूप ओमिक्रॉन की वजह से अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौती पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि मजबूत और सतत पुनरुद्धार निजी निवेश तथा निजी खपत में तेजी पर निर्भर है। लेकिन दुर्भाग्य से ये दोनों अब भी महामारी पूर्व स्तर से नीचे हैं।

पीएलआई योजनाओं ने वैश्विक कंपनियां हो रहीं आकर्षित

वित्तमंत्री ने बताया पासा पलटने वाला कदम

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन पीएलआई योजना को पासा पलटने वाला कदम बताते हुए कहा कि इससे देश में निवेश आकर्षित करने और विनिर्माण क्षमता बढ़ाने में मदद मिली है। पीएलआई योजना की घोषणा 2021-22 के बजट में 1.97 लाख करोड़ रुपए के व्यय प्रस्ताव के साथ की गयी थी। इसमें कपड़ा, इस्पात, दूरसंचार, वाहन और औषधि जैसे 13 प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। सीतारमण ने कहा कि भारत ने उन निवेशकों को आकर्षित करने के लिये योजनाएं बनाई जो अन्य देशों के लिये एक

स्रोत पर निर्भर हुए बिना अपनी मूल्य श्रृंखला को बरकरार रखने को लेकर कुछ क्षेत्र से बाहर जाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा, इन योजनाओं के परिणाम काफी सकारात्मक हैं। पीएलआई योजनाएं प्रमुख क्षेत्रों के लिये बनाई गई।

बाजार समीक्षा देश में खाद्य तेलों की 60 फीसदी आपूर्ति आयातित खाद्य तेल पर निर्भर

पाम खेती बढ़ाकर आत्मनिर्भरता का लक्ष्य

इंदौर। देश में तेल-तिलहन की पैदावार कम होने से खाद्य तेलों की 60 फीसदी खपत आपूर्ति आयातित खाद्य तेल पर निर्भर है। इसमें सबसे ज्यादा आयात पाम तेल का किया जाता है, जिस पर बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा का व्यय होता है। कृषि मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर ने कहा कि सरकार का देश में पाम खेती का क्षेत्र बढ़ाकर खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता हांसिल करने का लक्ष्य है।

उन्होंने बताया कि हम देश में पाम खेती क्षेत्र का एरिया बढ़ाने का प्रयास कर रहे है। इसके तहत पाम क्षेत्र 3 लाख हैक्टेयर बढ़ाकर 28 लाख हैक्टेयर करने की योजना पर कार्य कर रहे है। देश में पाम तेल उत्पादन बढ़ाकर आयात निर्भरता के बजाय आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ा रहे है। ये बात उन्होंने खाद्य तेल-तेल पाम बिजनेस समिट में कही, जहां वे राष्ट्रीय मिशन का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होने बताया की एक सर्वे अध्ययन के अनुसार देश में पाम खेती के

लिए 28 लाख हैक्टेयर क्षेत्र उपयुक्त है। उन्होंने कहा की सरकार ने व्यवहार्यता अंतर वित्त पोषण के लिए 9 राज्य सरकारों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए है और 11 राज्यों की संशोधित वार्षिक कार्य योजनाओं के अंतिम रुप दिया है। गत अक्टूबर में गुवाहाटी शिखर सम्मेलन के बाद हैदराबाद शिखर सम्मेलन दूसरा है, जो उत्तर-पूर्वी राज्यों में तेल पाम विकास पर केंद्रित है। उन्होंने कहा खाद्य तेल पर राष्ट्रीय मिशन-आयल पाम के सफल कार्यन्वयन के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं है।

कमजोर आवक से सोयाबीन और सरसों में तेजी कायम

इंदौर। बुधवार को देश-प्रदेश में तिलहन आवक कमजोर रहने और तेल प्लांटों की मांग कायम होने से सोयाबीन एवं सरसों की कीमतों में तेजी का रुख कायम था। हालांकि मलेशिया पाम तेल का जनवरी वायदा घटकर 1290 डॉलर रह गया। केएलसीई 76 रिंगिट गिरकर बंद हुइ। सोयाबीन आवक प्रदेश में 1.00 लाख बोरी सहित देश में 2.20 लाख बोरी दर्ज हुई। प्लांट सौदो में सोयाबीन प्रेस्टीज 6500, अंबिका 6475-6550, महाकाली 6500, मालू 6400, खंडवा 6500, अवि 6500, कृति 6400, एमएस नीमच 6500, प्रकाश 6425, एमएस पचोर 6500,रामा 6400, धानुका 6500, अमृत 6500 अंबूजा 6450 रु बताए गए। देश में सरसों की आवक 1.50 लाख बोरी दर्ज हुई, जयपुर में तेल कंडीशन आधारित सरसों के दाम बढ़कर 7600-7625 रु के बताई गई। खाद्य तेल प्रति 10 किलो सोया रिफा. 1200-1205, साल्वेंट 1145-1150, मुंबई रिफाइंड 1200, मूंगफली तेल 1320-1340, मुंबई 1330, गुजरात 1275, पाम तेल मुंबई 1150, इंदौर 1208-1210 रुपए था। **कपास्या खली-** प्रति 60 किलो इंदौर, देवास-उज्जैन 1975, खंडवा-बुरहानपुर 1950 रु थी।

मांग समर्थन बढ़ने से कच्चा तेल वायदा उछला

नई दिल्ली। मजबूत मांग से कारोबारियों द्वारा वायदा सौदों का आकार बढ़ाने से बुधवार को कच्चे तेल में तेजी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल जनवरी अनुबंध दो रु अथवा 0.04 प्रतिशत बढ़त पर 5685 रु प्रति बैरल हो गया। इसमें 8843 लॉट का कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चा तेल में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल का दाम 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 76.12 डालर प्रति बैरल हो गया। इस बीच, वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत बढ़कर 79.12 डालर प्रति बैरल हो गया।

बीमा करने के बाद मेडिक्लेम खारिज नहीं कर सकती कंपनी

मौजूदा बीमारी का हवाला देकर क्लेम से मना नहीं कर सकेंगी बीमा कंपनी

नई दिल्ली । बीमा कंपनियां व्यक्ति की मौजूदा बीमारी का हवाला देकर क्लेम देने से मना नहीं कर सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने बीमा क?लेम के एक मामले में कहा है कि कोई बीमाकर्ता पॉलिसी जारी होने के बाद प्रपोजल फॉर्म में बीमाधारक द्वारा बताई गई मौजूदा मेडिकल कंडीशन का हवाला देकर किसी दावे को खारिज नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक बार बीमा करने के बाद बीमा कंपनी प्रपोजल फॉर्म में बताई व्यक्ति की वर्तमान मेडिकल कंडीशन का हवाला देकर क्लेम देने से मना नहीं कर सकती। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा, बीमा लेने वाले व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह अपनी जानकारी के मुताबिक सभी तथ्यों को बीमा कंपनी को बताए। यह माना जाता है कि बीमा लेने वाला व्यक्ति प्रस्तावित बीमे से जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों को जानता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हालांकि बीमा लेने वाला व्यक्ति प्रपोजल फॉर्म में केवल वही बात सकता है, जो उसे पता हो। सुप्रीम कोर्ट मनमोहन नंदा द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के एक आदेश के खिलाफ दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी। उसमें अमेरिका में हुए मेडिकल खर्च के लिए क्लेम करने संबंधी उनके आवेदन को खारिज कर दिया गया था।

साधारण बीमा कंपनियों ने प्राकृतिक आपदाओं से जुड़े एक-तिहाई दावों का ही किया निपटान : साधारण बीमा कंपनियों ने मार्च 2021 को समाप्त वित्त वर्ष में प्राकृतिक आपदाओं के कारण किए गए दावों में से केवल एक तिहाई यानी 761 करोड़ रुपए का ही निपटान किया। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण 2559.10 करोड़ रुपए के 34304 दावे साधारण बीमा कंपनियों के समक्ष आए थे।

गैर परिवर्तनीय प्रतिभूति पर जुर्माने को लेकर दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को सूचीबद्ध गैर परिवर्तनीय प्रतिभूतियों और वाणिज्यिक पत्र जारी करने वालों के लिये जरूरी निरंतर खुलासे के प्रावधान का अनुपालन नहीं करने की स्थिति में जुर्माना लगाने तथा कार्रवाई करने को लेकर दिशानिर्देश जारी किये।

दिशानिर्देश से जुड़ा परिपत्र एक फरवरी, 2022 या उसके बाद की तारीख पर प्रावधान का अनुपालन नहीं करने की स्थिति में लागू होगा। जुर्माना राशि संबंधित शेयर बाजार के निवेशक संरक्षण कोष में जाएगी। यह जुर्माना तब तक लगेगा जब तक प्रावधानों का अनुपालन नहीं कर लिया जाएगा और संबंधित मान्यता प्राप्त शेयर बाजार उससे संतुष्ट नहीं हो जाता। बाजार नियामक सेबी ने सूचीबद्धता बाध्यता और खुलासा जरूरतों के विभिन्न प्रावधानों के उल्लंघन के मामले में जुर्माना राशि को निर्धारित किया है। साथ ही प्रावधानों का अनुपालन नहीं होने पर कार्रवाई तय की है।

साल दर साल छोटा हो रहा पर्सनल लोन

औसत आकार तीन साल में एक लाख घटा

नई दिल्ली । देश में पर्सनल लोन का औसत आकार साल दर साल घट रहा है। इसे कोविड का साइड इफेक्ट नहीं माना जा सकता क्योंकि यह ट्रेंड 2018 से ही जारी है। बीते तीन सालों में पर्सनल लोन का एवरेज टिकट साइज करीब एक लाख रुपए घटकर 186338 रुपए रह गया है। 2018 में लोग औसतन 280973 रुपए का पर्सनल लोन ले रहे थे।

पर्सनल लोन के आकार में सबसे बड़ी गिरावट 45-58 आय वर्ग में आई है। इस आयु वर्ग के लोग 2018 में औसतन 375662 रुपए का पर्सनल लोन ले रहे थे, लेकिन इस साल इस कैटेगरी में पर्सनल लोन का एवरेज टिकट साइज 48.56 फीसदी घटकर 193240 रुपए रह गया। इस मामले में सबसे कम 30 फीसदी गिरावट 25 से ज्यादा उम्र के पर्सनल लोन ग्राहकों के एवरेज टिकट साइज में साइज में आई। एक बड़े बैंक के अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हाल के सालों में एनपीए यानी ऐसे लोन बढ़ रहे हैं, जिनकी वसूली नहीं हो पा रही है। इसके चलते बैंकों को क्रेडिट पालिसी सख्त करनी पड़ी है। पर्सनल लोन अनसिक्योर्ड लोन है, जिसमें रिस्क ज्यादा होता है। इसलिए इसमें कमी आ रही है। देश में बाई नाऊ, पे लेटर बीएनपीएल तेजी से बढ़ रहा है। यह रिवॉल्विंग क्रेडिट है, जिसे बार-बार इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे लेना भी आसान है। इसके चलते भी पर्सनल लोन लेने वालों की संख्या घट रही है।

कपड़ा क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना के दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली। केंद्र ने टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए उत्पादन केंद्रित रियायतों (पीएलआई) योजना के परिचालन संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए, जिसके तहत कंपनियां सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर 1-31 जनवरी 2022 से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर सकती हैं।

हालांकि, पात्र आवेदनों की कम संख्या मामले में नए आवेदन फिर मंगाए जा सकेंगे। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार आवेदन में कंपनियों को अपनी सालाना निवेश योजनाए, संभावित बिक्री, कारोबार, संभावित रोजगार सृजन व योजना की अवधि में निर्यात के बारे में टेक्सटाइल मंत्रालय को जानकारी देनी होगी। मानव निर्मित फैब्रिक, गारमेंट-जर्सी, ओवरकोट, ट्राउजर, पॉलिस्टर सूटिंग, शर्टिंग्स के निर्माण और तकनीकी निर्माण (जिसमें नए जमाने के टेक्सटाइल शामिल हैं) के लिए 5 वर्षों तक 10683 करोड़ रु की रियायत दी जाएगी और इसमें पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (पीपीई) किट, एयरबैग, बुलेटप्रुफवेस्ट आदि निर्माण भी शामिल होंग, जिनका निर्माण विमानन, रक्षा,र इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में भी किया जा सकेगा। पीएलआई योजना को सितंबर में मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल गई थी और इसमें एमएमएफ व तकनीकी टेक्सटाइल सेगमेंट की वैल्यू चेन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि भारत वैश्विक व्यापार में ऐसे समय में फिर अपना दबदबा कायम कर सके, जब भारत का योगदान वैश्विक निर्यात में गत कुछ वर्षों में घटा है। योजना 24 सितंबर 21 से 31 मार्च 30 तक लागू है।

फॉक्सकॉन तमिलनाडु संयंत्र के प्रबंधन को बदलेगा

नई दिल्ली। एप्पल के लिए आपूर्ति करने वाली कंपनी फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप ने बुधवार को कहा कि वह तमिलनाडु के श्रीपेरुंबुदूर कारखाने के कर्मचारी निवास स्थल में हाल में बड़े पैमाने पर विषाक्त भोजन दिए जाने की घटना के बाद अपने स्थानीय प्रबंधन दल का पुनर्गठन कर रहा है। दूसरी ओर एप्पल के एक प्रवक्ता ने कहा कि फॉक्सकॉन के श्रीपेरंबदूर संयंत्र को निगरानी में रखा गया है। फॉक्सकॉन ने कहा कि सभी कर्मचारियों को भुगतान जारी रहेगा, जबकि कामकाज फिर से शुरू करने से पहले जरूरी सुधार किए जा रहे हैं। कंपनी ने कहा कि कर्मचारियों के काम पर लौटने के बाद वह उन्हें मदद देना जारी रखेगी। फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप ने बयान में कहा, हम अपने स्थानीय प्रबंधन दल और अपनी प्रबंधन प्रणालियों का भी पुनर्गठन कर रहे हैं, ताकि जरूरी उच्च मानकों को सुनिश्चित किया जा सके।

जीएसटी परिषद की बैठक 31 दिसंबर को होगी

टैक्सटाइल पर कर बढ़ाने का फैसला वापस लेने की उठ सकती है मांग

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवाकर जीएसटी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार 31 दिसंबर को राजधानी में होगी, जिसमें कपड़ो पर कर की दर बढ़ाने के फैसले को टालने समेत अन्य कई मुद्दों पर चर्चा होने के आसार है। सूत्रों ने बताया कि अधिकार संपन्न जीएसटी परिषद की 46वीं बैठक साक्षात रूप से होने जा रही है, लेकिन कोविड-19 संबंधि नियमों को देखते हुए प्रत्येक राज्य से इसमें केवल दो अधिकारियों के भाग लेने की अनुमति है।

जीएसटी परिषद की पिछली बैठक में फुटवियर और कपड़ा क्षेत्र पर उल्टे कर ढांचे को ठीक करने के लिए इन दोनों क्षेत्रों के उत्पादों के लिए पहली जनवरी 2022 से जीएसटी दरों के स्लैब में फेरबदल करने का फैसला किया था। लेकिन इस फैसले के क्रियान्वयन तिथि नजदीक आने के साथ कुछ राज्यों ने इसको वापस लेने की मांग की है, उनका कहना है कि नई व्यवस्था से उद्योग पर बुरा असर पड़ेगा।पश्चिम बंगाल के पूर्व वित्त मंत्री और वर्तमान में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सलाहकार अमित मित्रा ने पिछले सप्ताह केंद्र से मांग की थी कि हाथ से बुने कपड़ो पर जीएसटी बढ़ाने के फैसले की समीक्षा के लिए जीएसटी परिषद की अत्यावश्यक बैठक बुलाई जाए। मित्रा ने ट्विटर पर कहा था कि मोदी सरकार कपड़े पर जीएसटी पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करके एक जनवरी को एक ओर बड़ी गलती करेगी, 1.5 करोड़ लोगों की रोजी का नुकसान होगा और एक लाख इकाईयां बंद हो जाएंगी। मोदी जी जीएसटी काउंसिल की बैठक अभी बुलाइए और फैसले को पलटिए। यह आम लोगों के सर पर तलवार की तरह लटक रहा है।

एनटीपीसी ने एनआरईएल में निवेशक को शामिल करने की योजना बनाई

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने अपनी स्वच्छ ऊर्जा इकाई एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड एनआरईएल को अक्टूबर 2022 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने से पहले एक रणनीतिक निवेशक को शामिल करने की योजना बनाई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एनटीपीसी ने अगले तीन वर्षों में कुल 15000 करोड़ रुपए की विनिवेश योजना बनाई है, जिसके तहत एनआरईएल को सूचीबद्ध किया जाना है। विनिवेश योजना के तहत मार्च 2024 तक नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड को भी शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा।

भारत बनाम द. अफ्रीका: भारत ने सेंचुरियन में रचा इतिहास

पहले टेस्ट में साउथ अफ्रीका को 113 रन से हराया

सेंचुरियन (एजेंसी)।

भारतीय टीम ने सेंचुरियन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मुकाबले को 113 रनों से जीत लिया है। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। जिसे सलामी बल्लेबाजों ने सही साबित किया। पहली पारी में केएल राहुल ने शानदार शतकीय पारी खेली। जबकि मयंक अग्रवाल ने 60 रन बनाए थे। इसके अलावा रहाणे 48, कोहली 35 रन बना पाने में कामयाब हुए थे। जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने पहली पारी में 327 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका पहली पारी में 197 रन पर ही ढेर हो गई। वहीं भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 174 रन बनाए। जिसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने साउथ अफ्रीका की कमर तोड़ दी। पांचवें और आखिरी दिन भारतीय टीम ने मुकाबले को 113 रनों से जीत लिया। यह पहली बार है जब भारतीय टीम ने सेंचुरियन में मुकाबला जीता है। इसी के साथ ही 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम 1-0 से आगे हो गई।

शमी ने तोड़ी थी साउथ अफ्रीका की कमर

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पहली पारी में साउथ अफ्रीका के पांच खिलाड़ियों को पवेलियन भेजकर मुकाबले में बढ़त बना ली थी। उन्होंने पहली पारी में 16 ओवर में 44 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे। जबकि दूसरी पारी में एक विकेट चटका पाने में कामयाब हुए। वहीं बाकी गेंदबाजों की बात की जाए तो पैर मुड़ जाने के बावजूद जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की और उन्होंने दोनों पारियों में कुल 5 विकेट हासिल किए।

नये साल में 90 मीटर से अधिक भाला फेंकना चाहते हैं नीरज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब नये साल में 90 मीटर से अधिक दूरी का आंकड़ा पार करना चाहते हैं। नीरज इसी के साथ विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हो जाएंगे। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में 87.58 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। नीरज का अब तक का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 88.07 मीटर है। उन्होंने में कहा ,'' पदक एक बात है और दूरी अलग। 90 मीटर का थ्रो फेंकने से मेरा नाम विश्व के सर्वश्रेष्ठ भालाफेंक खिलाड़ियों में शामिल होगा।'' उन्होंने कहा ,'' मैं इसके करीब पहुंच गया हूं और जल्दी ही यह बाधा भी पार करूंगा पर इसको लेकर मेरे ऊपर किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं है।''

इस खिलाड़ी ने कहा ,'' अभी मैं दो मीटर दूर हूं। यह कम भी नहीं है पर असंभव भी नहीं क्योंकि मेरा अभ्यास अच्छा चल रहा है। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता पर यह ऐसी बाधा है तो मुझे इस साल पार करनी है।'' उन्होंने कहा,'' तकनीक में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं है। मैं जो कर रहा हूं, उसी को बेहतर करूंगा। दमखम और रफ्तार पर काम करने से दूरी अपने आप संभव हो जाएगी।''वह आजकल अमेरिका में आफ सीजन अभ्यास कर रहे हैं। उनका लक्ष्य आने वाले समय में और बेहतर प्रदर्शन करना है।

साल 2021 में भी शतक नहीं लगा पाये विराट

नये साल में पोंटिंग का रिकार्ड तोड़ सकते हैं

सेंचुरियन (एजेंसी)।

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली के लिए साल 2021 भी अच्छा नहीं रहा। विराट पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये हैं। विराट ने अंतिम बार नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था। उसके बाद से ही वह शतक के लिए तरस रहे हैं। विराट इसी कारण दो साल से ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग का 71 शतक का रिकार्ड भी नहीं तोड़ पाये हैं। विराट ने अबतक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतक लगाये हैं। वे साल 2020 के बाद 2021 में भी एक भी शतक नहीं लगा सके। अब नये साल में प्रशंसकों को उम्मीद है कि विराट अपना 71 वां शतक पूरा करेंगे। विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 18 रन बनाकर आउट हुए। यह उनकी साल 2021 की अंतिम पारी थी। इसमें वह 35 रन बना पाये थे। 70वें शतक के बाद से उन्हें 60 बार बल्लेबाजी का अवसर मिला है पर वह नाकाम रहे हैं।

वह 70 वें शतक के बाद से 14 टेस्ट की 25 पारियों में बल्लेबाजी करने उतरे। जिसमें उन्होंने 26 की औसत से 652 रन बनाए हैं। इसमें पांच अर्धशतक हैं। उनकी सबसे बड़ी पारी 74 रन रही है। इस दौरान उन्होंने एकदिवसीय की 15 पारियों में 43 की औसत से 649 रन बनाए हैं। जिसमें 8 अर्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ 89 बेस्ट स्कोर रहा। वहीं टी20 की 20 पारियों में 60 की औसत से 777 रन बनाए हैं। कोहली करियर में सिर्फ तीसरी बार एक साल में कोई भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इसके अलावा वह अपने पदार्पण वर्ष 2008 में भी शतक नहीं लगा पाये थे। साल 2017 और 2018 में सबसे अधिक 11-11 शतक लगाए थे।

विराट को ड्राइव करना जारी रखना चाहिए, लेकिन बेहतर गेंदों पर : राठौड़

सेंचुरियन (एजेंसी)।

भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ का मानना है कि विराट कोहली को ड्राइव करने में हिचक नहीं दिखानी चाहिए क्योंकि इससे उन्होंने ढेरों रन जुटाये हैं लेकिन इसके लिये उन्हें सही गेंद का चयन करना चाहिए।

कोहली कवर ड्राइव या ऑफ ड्राइव करने के प्रयास में विकेट के पीछे कैच दे रहे हैं और इसलिए इस संबंध में राठौड़ से सवाल किया गया था। राठौड़ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, ''इन शॉट से उन्होंने (कोहली) ने ढेरों रन जुटाये हैं और यह रन बनाने वाले शॉट हैं।

उन्हें वह शॉट खेलने चाहिए लेकिन मुझे लगता है कि जो आपका मजबूत पक्ष है वही आपकी कमजोरी भी बनती है। उन्हें ये शॉट खेलते समय बेहतर गेंद का चयन करना चाहिए।''

राठौड़ ने रन बनाने के लिये जूझ रहे चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा, ''वे (पुजारा और रहाणे) अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं। रहाणे आउट होने से पहले वास्तव में अच्छी लय में दिख रहे थे। पुजारा भी अच्छी लय में थे। उन्होंने अतीत में कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। ये सभी के लिये चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां हैं।'' राठौड़ ने कहा, ''आपको धैर्य रखने की जरूरत है और जब तक वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं, कोचिंग इकाई के रूप में हमें कोई परेशानी नहीं है।

बार्सिलोना की टीम के कोविड-19 से संक्रमित खिलाड़ियों की संख्या 10 पहुंची

बार्सिलोना। बार्सिलोना में कोविड-19 से संक्रमित खिलाड़ियों की संख्या 10 पर पहुंच गई है जिससे उसकी स्पेन में सर्दियों के दो सप्ताह के अवकाश के बाद लीग में वापसी की संभावनाओं को करारा झटका लगा है। बार्सिलोना ने कहा कि सर्जिनो डेस्ट, फिलिप कॉटिन्हो और अब्दे एज़लज़ौली वे तीन नये खिलाड़ी हैं जिन्हें कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया है। ये तीनों अभी पृथकवास पर हैं और टीम के अनुसार उनका स्वास्थ्य अच्छा है। क्लब ने इस सप्ताह पहले ही घोषणा कर दी थी कि उस्मान डेम्बेले, सैमुअल उमेटी, गवी, जोर्डी अल्बा, एलेजांद्रो बाल्डे, क्लेमेंट लेंगलेट और दानी अल्वेस का परीक्षण पॉजिटिव आया है और उन्हें अलग थलग कर दिया गया है। बार्सिलोना को वापसी पर रविवार को मालोर्का से मैच खेलना है।

चौथे एशेज टेस्ट से बाहर हुए इंग्लैंड के कोच सिल्वरवुड, टीम में बढ़ रहे केस

मेलबर्न। इंग्लैंड के खेमे में कोरोना संक्रमण के सात मामले आने के बाद कोच क्रिस सिल्वरवुड पृथकवास में रहेंगे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे एशेज टेस्ट के दौरान टीम के साथ नहीं होंगे। इंग्लैंड टीम के किसी सदस्य के परिजन के संक्रमित पाये जाने के बाद सिल्वरवुड को पृथकवास में रहना होगा हालांकि उन्हें कोरोना संक्रमण होने के कोई संकेत नहीं हैं। वह अपने परिवार के साथ दस दिन मेलबर्न में ही पृथकवास में रहेंगे जहां तीसरा टेस्ट खेला गया था। चौथा टेस्ट पांच जनवरी से सिडनी में खेला जायेगा। इंग्लैंड तीनों टेस्ट हार चुका है और ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की श्रृंखला में 3 . 0 की विजयी बढत बना ली है। इंग्लैंड ने बताया कि परिवार के एक सदस्य की जांच रिपोर्ट बुधवार को आई। आज भी कई दौर में पीसीआर टेस्ट होंगे। सोमवार से अब तक हुई जांच में इंग्लैंड के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्य और परिवार के चार सदस्य संक्रमित पाये गए हैं। टीम को शुक्रवार को सिडनी रवाना होना है। दोनों टीमें चार्टर्ड उड़ान से सिडनी जायेंगे और समूचे होटल को उनके लिये आरक्षित किया गया है।

भारत अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में, खिताबी मुकाबला श्रीलंका से

शारजाह (एजेंसी)।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शाइक राशिद (90) की शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत गुरुवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में पड़ोसी बंगलादेश को एकतरफा अंदाज में 103 रन से हरा कर एशिया अंडर-19 विश्व कप 2021 के फाइनल में पहुंचा, जहां शुक्रवार को उसका श्रीलंका से खिताबी मुकाबला होगा।

श्रीलंका ने दुबई में खेले गए पहले सेमीफाइनल में 2012 संस्करण के संयुक्त विजेता पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 22 रन से हरा कर पांचवीं बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। भारत टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरा और अच्छी शुरुआत न मिलने और बड़ी साझेदारियां न होने के बावजूद शारजाह जैसी पिच बंगलादेश को 244 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया, जिसमें राशिद की नाबाद 90 रनों की पारी और निचले क्रम के बल्लेबाजों राजवर्धन हैंगरगेकर और विक्की ओस्तवाल की छोटी-छोटी आतिशी पारियों की अहम भूमिका रही।

राशिद ने तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 108 गेंदों पर 90 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि राजवर्धन और विक्की ने अंत में क्रमशः एक चौके और दो छक्के के सहारे सात गेंदों पर 16 और तीन चौकों की बदौलत 18 गेंदों पर 28 रन की छोटी तूफानी पारियां खेली। कप्तान यश धुल ने 26, राज बावा ने 23 और इनफॉर्म बल्लेबाज हरनूर सिंह ने 15 रन बनाए।

बाद में भारतीय गेंदबाजों ने नपी-तुली और घातक गेंदबाजी की और बंगलादेशी बल्लेबाजों के लिए 244 के इस लक्ष्य को पहाड़ जैसा लक्ष्य बना दिया। राज बावा और रवि कुमार की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने टीम को शुरुआत में सफलताएं दिलाईं। दोनों ने मिल कर पहले पावरप्ले (पहले 10 ओवर) में महज 50 रन खर्च करते हुए बंगलादेश के चार विकेट चटकाए। बल्ले के साथ योगदान देने के बाद राजवर्धन और विक्की ने गेंदबाजी में मोर्चा संभाला और मध्य क्रम और निचले क्रम को चलता किया।

जहां एक तरफ लगातार अंतराल पर विकेट गिरते गए वहीं दूसरी ओर अरिफुल इस्लाम एक छोर पर टिके रहे और स्कोर आगे बढ़ाते रहे, लेकिन अंत में लेफ्ट आर्म स्पिनर निशांत सिंधु ने अपनी फिरकी में फंसाया और विकेटकीपर के हाथों स्टंप आउट करवा कर पवेलियन भेज दिया। अरिफुल एक चौके की मदद से 77 गेंदों पर 42 रन बना कर आउट हुए। भारत की ओर से राजवर्धन, रवि, राज और विक्की ने दो-दो, जबकि निशांत और कौशल तांबे ने एक-एक विकेट लिया।

आठ लोगों के कोरोना संक्रमित होने से एशेज सीरीज पर खतरा मंडराया

मेलबर्न । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और मैच रेफरी डेविड बून के कोरोना संक्रमित होने से इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही एशेज सीरीज पर खतरा मंडराने लगा है। बून के संक्रमित होने से अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर आठ हो गयी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि बून की जगह अब 5 जनवरी से सिडनी में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में स्टीव बर्नार्ड मैच रैफरी होंगे। बर्नार्ड आईसीसी पैनल के सदस्य भी हैं। बून सीरीज के 5वें मैच में वापसी करेंगे। बून को कोरोना टीके के दोनों डोज लगे थे। उन्होंने बूस्टर डोज भी लिया था। इसके बाद भी वह संक्रमित हुए हैं। बून में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले हैं। वह अभी मेलबर्न में ही पृथकवास में रहेंगे। मेलबर्न में ही तीसरा टेस्ट खेला गया था। 27 दिसंबर से दोनों टीम के खिलाड़ियों, परिवार और सहयोगी स्टाफ का लगातार कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है। इसी दौरान अब तक 8 लोग संक्रमित सामने आये हैं। इसमें इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड भी शामिल हैं। वे भी मेलबर्न में ही हैं। ऐसे में चौथे टेस्ट में इंग्लैंड टीम बिना कोच के ही मैदान में उतरेगी। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम 3-0 से आगे है।

टीम इंडिया की जीत के बाद बदला टैस्ट चैम्पियनशिप टेबल, भारत अब चौथे स्थान पर

खेल डैस्क। सेंचुरियन के मैदान पर टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को पहले टेस्ट मैच में हराकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप टेबल में भी अपनी स्थिति बेहतर कर ली है। टीम इंडिया अब 64.28 प्रतिशत जीत के साथ इस टेबल में चौथे नंबर पर आ गया है। भारत के पास अब 54 प्वाइंट हैं जोकि बाकी सभी टीमों से ज्यादा है। भारतीय टीम ने चैम्पियनशिप चक्र में जो दो टेस्ट ड्रा खेले, उसकी वजह से वह चौथे नंबर पर हैं। जबकि ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट खेलकर ही पहले नंबर पर बना हुआ है। देखें टेबल-

विश्व टैस्ट चैम्पियनशिप टेबल

1. ऑस्ट्रेलिया : 100 प्रतिशत, 36 प्वाइंट, 3 जीत, 0 हार, 0 ड्रा
2. श्रीलंका : 100 प्रतिशत, 24 प्वाइंट, 2 जीत, 0 हार, 0 ड्रा
3. पाकिस्तान : 75 प्रतिशत, 36 प्वाइंट, 3 जीत, 1 हार, 0 ड्रा
4. इंडिया : 64.28 प्रतिशत, 54 प्वाइंट, 4 जीत, 1 हार, 2 ड्रा
5. विंडीज : 25 प्रतिशत, 12 प्वाइंट, 1 जीत, 3 हार, 0 ड्रा
6. न्यूजीलैंड : 16 प्रतिशत, 4 प्वाइंट, 0 जीत, 1 हार, 1 ड्रा
7. इंगलैंड : 07.14 प्रतिशत, 6 प्वाइंट, 1 जीत, 5 हार, 1 ड्रा
8. साऊथ अफ्रीका : 00.00 प्रतिशत, 0 प्वाइंट, 0 जीत, 1 हार, 0 ड्रा
9. बांगलादेश : 00.00 प्रतिशत, 0 प्वाइंट, 0 जीत, 2 हार, 0 ड्रा

रॉस टेलर ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा, बांग्लादेश के खिलाफ होगा आखिरी मुकाबला

वेलिंगटन। (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रोस टेलर ने मौजूदा घरेलू सत्र के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया है। बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने होने वाला दूसरा टेस्ट उनका आखिरी टेस्ट होगा। वह इसमें डेनियल विटोरी के 112 टेस्ट की बराबरी कर लेंगे। वह फरवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला नहीं खेलेंगे लेकिन ऑस्ट्रेलिया में वनडे श्रृंखला और मार्च अप्रैल में नीदरलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला खेलेंगे। नीदरलैंड के खिलाफ अपने गृहनगर हैमिल्टन में चार अप्रैल को होने वाला चौथा वनडे टेलर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। उन्होंने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा ,'' यह शानदार सफर रहा और मुझे खुशी है कि इतने लंबे समय तक देश का प्रतिनिधित्व कर सका। '' उन्होंने कहा ,'' दुनिया के कुछ महान खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना सौभाग्य रहा। इतनी सारी यादें और दोस्ती की सौगात मिली है। लेकिन सभी अच्छी चीजें कभी खत्म होती ही है और मेरे लिये यह सही समय है।'' टेलर ने न्यूजीलैंड के लिये टेस्ट और वनडे में मिलकर सर्वाधिक रन बनाये हैं।

उन्होंने टेस्ट में 19 शतक समेत 7584 रन बनाये जो मौजूदा कप्तान केन विलियमसन के बाद सर्वाधिक हैं। वहीं वनडे में उन्होंने 8581 रन बनाये जिसमें 21 शतक शामिल हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2008 में पहला टेस्ट खेला और 233 वनडे में से पहला वेस्टइंडीज के खिलाफ 2006 में खेला। उन्होंने 102 टी20 मैच भी खेले हैं और न्यूजीलैंड के लिये तीनों प्रारूपों में सौ से अधिक मैच खेलने वाले पहले क्रिकेटर हैं। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने उन्हें देश के महानतम क्रिकेटरों में से एक बताते हुए कहा ,'' खिलाड़ियों के मन में उनके लिये अपार सम्मान रहेगा। हम न्यूजीलैंड क्रिकेट में उनके योगदान के लिये धन्यवाद देते हैं।'' विलियमसन ने कहा ,'' रोस लंबे समय से टीम का सदस्य है और क्रिकेट में अपने योगदान पर उसे गर्व होगा। वह शानदार खिलाड़ी है और उसके साथ विभिन्न प्रारूपों में इतनी साझेदारियों में शामिल रहना सुखद रहा। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल उसमें से एक है।'' न्यूजीलैंड ने जून में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भारत को हराया था।

जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर बनेंगे यूपी के युवा : योगी

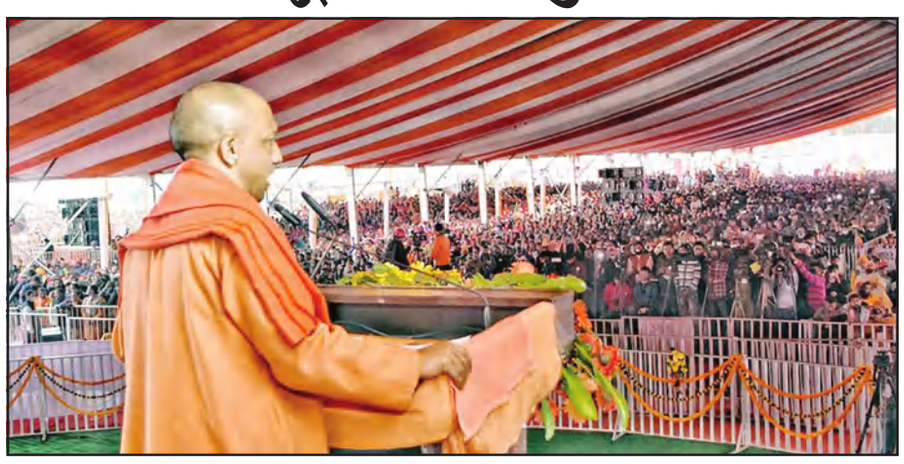

गोरखपुर, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी के युवा अब जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर बनेंगे। प्रदेश सरकार की तरफ से आईटीआई, पॉलिटेक्निक, मेडिकल-पैरा मेडिकल, प्रौद्योगिकी शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालय व कॉलेजों के स्नातक-परास्नातक के विद्यार्थियों को दिए जा रहे टैबलेट और स्मार्ट फोन इसमें मददगार होंगे। इन टैबलेट और स्मार्ट फोन में ऑनलाइन एजुकेशन के साथ, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में तो मदद मिलेगी ही, इसमें स्टार्टअप, मुद्रा, स्टैंडअप आदि ऐसी प्रमुख योजनाओं की सविस्तार जानकारी होगी। यह युवाओं को नौकरी तलाशने वाला की बजाय नौकरी देने वाला बनाएंगी। स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने एक स्पेशल फंड भी बनाया है।

सीएम योगी गुरुवार को गोरखपुर को विश्व स्तरीय वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सौगात देने के साथ ही 1305 करोड़ रुपये की लागत वाली 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास एं युवाओं में टैबलेट-स्मार्ट फोन वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति पार्क में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नववर्ष के दो दिन पूर्व जनपद को आईटीआई, पॉलिटेक्निक, गुरु गोरखनाथ शोधपीठ, राजकीय इंटर कॉलेज, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अक्षयपात्रा केंद्रीयकृत एमडीएम रसोईघर, गोरखपुर विश्वविद्यालय में छात्रावास, ड्रग वेयरहाउस, ओवरब्रिज, फोरलेन, कई सडकों-नालियों समेत हर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का उपहार दिया। सीएम ने 1020 करोड़ रुपये की 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व 285 करोड़ रुपये की लागत वाली 12 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। समारोह में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में एक हजार विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन व टैबलेट का वितरण किया गया। 24 युवाओं को मुख्यमंत्री ने मंच पर अपने हाथों से टैबलेट व स्मार्ट फोन प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने इन विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

सीएम योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने तय किया है कि स्नातक, परास्नातक, तकनीकी, मेडिकल आदि की शिक्षा से जुड़े छात्र -छात्राओं को निशुल्क टेबलेट व स्मार्ट फोन दिए जाएंगे । 25 दिसंबर को लखनऊ से इसका शुभारंभ किया गया है। लखनऊ में 60000 युवाओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन दिए गए और आज यहां 1000 को दिया जा रहा है। पंजीकृत शेष विद्यार्थियों को उनके संस्थाओं में टैबलेट व स्मार्ट फोन का वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्य अनवरत जारी रहेगा।

लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ईस्वी सन 2022 के आगमन के पहले गोरखपुर को कल और आज मिलाकर करीब 1850 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उपहार मिला है। इनमें सबसे खास है वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स। इस कॉम्प्लेक्स के माध्यम से युवा वाटर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में बेहतरीन तरीके से पारंगत होंगे। यह जल क्रीड़ा के लिए ट्रेनिंग का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर दोहराया कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता। विकास नागरिकों के जीवन में व्यापक परिवर्तन का कारक होता है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर और प्रदेश के बारे में नकारात्मक धारणा बदलने में कामयाबी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र से मिली। आज पूरे प्रदेश में इसका प्रभाव दिख रहा है । इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के बड़े कार्य हुए हैं। कहीं खाद कारखाना खुला है, एम्स बना है, मेडिकल कॉलेज बने हैं, चीनी मिलें खुली हैं, नए एयरपोर्ट बने हैं। यह सभी कार्य समग्र विकास से जुड़ते हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था बेहतर हुई तो व्यापक निवेश भी हुआ है। 2017 के पहले तक हर दूसरे -तीसरे दिन प्रदेश में दंगा होता था। बाहर का कोई व्यक्ति यहां आकर निवेश नहीं करना चाहता था। 2017 के बाद बदलते यूपी को सब ने देखा है। यहां अपराध व भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। विकास पर फोकस किया गया। इसके परिणामस्वरूप आज प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने नौकरी में योग्यता के आधार पर पूरी पारदर्शिता से बिना भेदभाव अवसर दिया है। राज्य में 4:30 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई, 1.61 करोड़ को अन्य रोजगार तथा 60 लाख स्वत: रोजगार से जोड़ा गया। गरीबों के लिए मुफ्त मकान, मुफ्त शौचालय, मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन की व्यवस्था की गई।

सीएम योगी ने कहा कि दिसंबर का माह गोरखपुर के लिए बहुत सौभाग्यशाली है। 7 दिसंबर को प्रधानमंत्री ने यहां खाद कारखाना, एम्स और इंसेफेलाइटिस, डेंगू, कालाजार, चिकनगुनिया आदि बीमारियों की जांच व अनुसन्धान के लिए रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर का लोकार्पण किया। कल नगर निगम के भव्य सदन भवन का उद्घाटन हुआ जहां से महानगर के विकास की ठोस कार्य योजनाएं बनाई जाएंगी। गोरखपुर को वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सौगात मिली है । गोरखपुर में रोशनी से जगमगाती चौड़ी सड़कें हैं तो सबको अनवरत बिजली मिल रही है। ईस्वी सन 2022 के आगमन के पूर्व विकास का भव्य वातावरण बना है। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को ईसवी सन 2022 की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए सबके मंगलमय जीवन की कामना भी की।

विकास परियोजनाओं की सौगात देने के साथी सीएम योगी ने लोगों को कोरोना संक्रमण से सतर्क रहने की सीख भी दी। कहा कि सरकार ने सबके लिए फ्री जांच, फ्री इलाज, व फ्री वैक्सीन की व्यवस्था की है। कोरोना के खिलाफ सफल लड़ाई लड़ी जा रही है और इस लड़ाई में सभी लोगों की सहभागिता सुनिश्चित होनी चाहिए।

यूपी विधानसभा चुनाव में इस बार मतदान एक घंटे अधिक होंगे : चुनाव आयोग

लखनऊ, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। चुनाव आयोग ने कोरोना संकट के फिर से उभरने की वजह से उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में निर्धारित समय से एक घंटा अधिक मतदान कराने सहित अन्य अहम फैसले किए हैं। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने राज्य में चुनावी तैयारियों की तीन दिन तक चली समीक्षा के बाद गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना के खतरे को ध्यान में रखते हुये आयोग ने निर्णय लिया है कि मतदान की अवधि को एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

सुशील चंद्रा की अगुवाई में आयोग के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय समीक्षा दौरे में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा विभन्नि जांच एजेंसियों सहित निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अन्य पक्षकारों के साथ कई दौर की बैठकों के बाद यह जानकारी दी। आयोग के प्रतिनिधि मंडल में देश के दोनों निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और डॉ. अनूप चंद्र पांडेय तथा चुनाव आयोग के महासचिव उमेश सन्हा के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

चंद्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 14 मई को समाप्त हो रहा है। राज्य में कुल 403 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 317 सामान्य, 84 अनुसूचित जातियों तथा 02 अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन सभी सीटों पर विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव कराए जाने हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में शामिल हुए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनश्चिति कराते हुए समय से चुनाव संपन्न कराने की मांग की है।

उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण के खतरे को ध्यान में रखते हुए आयोग उत्तर प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, प्रलोभन मुक्त और कोरोना सुरक्षित चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चंद्रा ने कहा कि आयोग का यह प्रयास है कि आगामी चुनाव में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं और नए मतदाताओं सहित सभी मतदाताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो। इसके लिए विशेष उपाय भी किए गए हैं।

चंद्र ने कहा कि इसके तहत सभी मतदान केंद्रों और मतदान कर्मियों के लिए कोविड सुरक्षित प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ कोरोना के खतरे से बचने के लिए इस बार मतदान केन्द्रों की संख्या में 11 हजार से अधिक का इजाफा किया गया है। उन्होंने बताया कि कोविड के मद्देनजर सोशल डिस्टेंसिंग मानकों को ध्यान में रखते हुए मतदान केन्द्रों पर भीड़ प्रबंधन के उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके तहत उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव में 1250 मतदाताओं पर एक मतदान केंद्र बनाने का फैसला किया गया है। अब तक एक मतदान केन्द्र पर अधिकतम 1500 मतदाता होते थे। इस प्रकार राज्य में 1 लाख 74 हजार 351 मतदान स्थल स्थापित किए जायेंगे। यह संख्या पिछले चुनावों से 11,020 अधिक है।

उत्तराखंड को 17,500 करोड़ का तोहफा दे पीएम मोदी बोले- 45 साल का इंतजार खत्म

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड में 17,500 करोड़ रुपये की 23 विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। 23 परियोजनाओं में से 14,100 करोड़ रुपये की 17 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। ये परियोजनाएं सिंचाई, सड़क, आवासीय स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, उद्योग, स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति सहित कई सेक्टर से संबंधित हैं।

इन सभी योजनाओं में से 5750 करोड़ रुपये की लखवाड़ बहुउद्देश्यीय परियोजना सबसे महत्वपूर्ण योजना है। लखवाड़ जल विद्युत परियोजना का ख्वाब 45 साल बाद जाकर पूरा होगा। इस योजना से उत्तराखंड, दिल्ली सहित छह राज्यों को फायदा पहुंचेगा। हल्द्वानी में गुरुवार को आयोजित चुनावी सभा में छह अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है जिसमें सड़क चौड़ीकरण परियोजनाएं, पिथौरागढ़ में एक पनबिजली परियोजना और नैनीताल में सीवरेज नेटवर्क में सुधार से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत 3,400 करोड़ रुपये है।

उत्तराखंड में बनने वाली तीन सौ मेगावाट की लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना की कुल लागत का 90 प्रतिशत केंद्र सरकार खुद वहन करेंगी। इस योजना से उत्तराखंड को बिजली और देश के अन्य राज्यों को पानी मिलेगा। लखवाड़ जल विद्युत परियोजना का ख्वाब 45 साल बाद जाकर पूरा होगा। वर्ष 1976 में पहली बार योजना आयोग ने प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। वर्ष 1987 में प्रोजेक्ट पर काम शुरू हुआ, लेकिन चार साल बाद ही 1992 में ही काम रोक दिया गया था। वर्ष 2017 में दोबारा काम शुरू करने की तैयारी हुई, तो एनजीटी ने रोक लगा दी।

नए सिरे से पर्यावरणीय आंकलन के बाद अब जाकर प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल पाई है। प्रोजेक्ट का 30 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। डैम की स्टेपिंग के साथ ही अंदरूनी सड़कें बनी हुई हैं। इस प्रोजेक्ट में 780 हेक्टेयर वन भूमि पहले ही हस्तांतरित हो चुकी है। 105 हेक्टेयर नापभूमि का अधिग्रहण होने करने के साथ मुआवजा दे दिया गया है। अब सिर्फ इस भूमि पर बसे 850 परिवारों को अनुग्रह राशि बांटी जानी है। जो राज्य सरकार 75 लाख प्रति हेक्टेयर तय कर चुकी है। अब सिर्फ 50 हेक्टेयर भूमि का और अधिग्रहण किया जाना है।

इस प्रोजेक्ट से उत्तराखंड के साथ ही हिमाचल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा को पानी मिलेगा। इन सभी राज्यों के मुख्यमंत्री परियोजना को लेकर समझौते को अंतिम मंजूरी दे चुके हैं। केंद्र की ओर से वित्तीय मंजूरी मिल जाने के बाद अब काम जल्द शुरू हो जाएगा।

लखवाड़ परियोजना के तहत उत्तराखंड देहरादून जिले के लोहारी गांव के पास यमुना नदी पर 204 मीटर ऊंचा कंक्रीट का बांध बनेगा। बांध की जल संग्रहण क्षमता 330.66 एमसीएम होगी। इससे 33,780 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी।

इसके साथ ही इससे यमुना बेसिन क्षेत्र वाले छह राज्यों में घरेलू तथा औद्योगिक इस्तेमाल और पीने के लिए 78.83 एमसीएम पानी उपलब्ध होगा। प्रोजेक्ट के तहत संग्रहित जल का बंटवारा यमुना के बेसिन क्षेत्र वाले छह राज्यों के बीच 12 मई 1994 को किये गये समझौते के अनुरूप होगा।

भ्रष्टाचारियों की जेब से नोट के पहाड़ खोद रही हमारी जेसीबी : योगी

पीलीभीत, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। चुनाव से ठीक पहले कन्नौज और कानपुर में भारी तादाद में कैश और सोना-चांदी की बरामदगी पर सीएम योगी ने सपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। सीएम योगी ने कहा, आपने पड़ोसी राज्य उत्तराखंड होने के चलते यहां मिट्टी और पेड़ पौधों के पहाड़ देखे होंगे। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचारियों के बनाए पहाड़ पर हाथ डाला है। यूपी सरकार की जेसीबी भ्रष्टाचारियों की जेब से नोट के पहाड़ खोद रही है। यह अकूत संपत्ति आम जनता के खून-पसीने की गाढ़ी कमाई है। पीलीभीत पहुंचे सीएम योगी ने अपने 17 मिनट के भाषण में विपक्ष पर हमला और भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं।

उन्होंने कहा, पीलीभीत की बांसुरी को हमने मान्यता दिलाई है। पिछली सरकारों ने भगवान कृष्ण की मुरली को भुला दिया था। भाजपा सरकार ने गन्ना उत्पादकों को प्रोत्साहित किया है। विपक्षी तो दंगाइयों को आगे बढ़ाते थे। सीएम योगी ने कहा, पीलीभीत में 250 करोड़ रुपये की लागत से राजकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण होगा। हमने प्रदेश में साढ़े चार लाख सरकारी नौकरियां प्रदान कीं और प्रदेश में उद्योग शुरू करके एक करोड़ से अधिक नौकरियां दी हैं।

महाराजगंज जिले के फरेंदा में आए मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव के ठीक पहले जिले को 436.8 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें से 152.28 करोड़ के 39 कार्यों का शिलान्यास व 284.53 करोड़ के 38 कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जिन कार्यों का लोकार्पण किया, उनमें स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठूठीबारी एवं नगर पंचायत चौक में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पनियरा क्षेत्र के बभनौली माफी व सिसवा क्षेत्र के लक्ष्मीपुर एकडंगा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला संयुक्त चिकित्सालय में डायलिसिस यूनिट भवन व नगर पंचायत घुघली एवं गोपाला में आक्सीजन प्लान्ट स्थापित किया गया है। इसके अलावा चौक, पनियरा, परतावल व बृजमनगंज को नया नगर पंचायत बनाया गया है। नगर पंचायत सिसवा को नगर पालिका बनाया गया है।

यूपी के नए चीफ सेक्रेटरी दुर्गा शंकर मिश्रा ने संभाला काम

लखनऊ, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। यूपी के नए चीफ सेक्रेटरी दुर्गा शंकर मिश्रा ने गुरुवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले वे एयरपोर्ट से सीधे चुनाव आयोग की मीटिंग में पहुंचे थे। लोकभवन स्थित कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि वे अभियान चलाकर केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधाननमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गईं विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को पूरा कराने पर उनका फोकस होगा। दफ्तर में बैठकर नहीं, बल्कि फील्ड में उतरकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस विश्वास से मुझे अपने प्रदेश में सेवा करने का मौका दिया गया है, उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि केंद्र सरकार की स्मार्ट सिटी, अमृत, पीएम स्वनिधी, स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं पर खासतौर पर फोकस कर काम किया जाएगा।

चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि पिछले सात वर्षों से देश के विकास के लिहाज से परिवर्तन की लहर चल रही है। बतौर चीफ सेक्रेटरी ज्वाइन करने से पहले भारत के निर्वाचन आयोग के साथ हुई बैठक का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना को लेकर आयोग ने जो चिंता जताई है उसे देखते हुए वैक्सीनेशन को तेज किया जाएगा। कोरोना प्रोटोकॉल का भी सख्ती से पालन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कोरोना से बचाव के लिए रात का कर्फ्यू लगाया गया है। इसका पालन कड़ाई से कराया जाएगा।

दुर्गा शंकर मिश्रा वर्ष 1984 बैच के वरिष्ठ आईएएस अफसर हैं। राजेंद्र कुमार तिवारी को हटाकर उन्हें मुख्य सचिव बनाया गया है। राज्य सरकार द्वारा 28 दिसंबर को केंद्र को भेजे गए प्रस्ताव के आधार पर दुर्गा शंकर मिश्रा को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से यूपी के लिए कार्यमुक्त करने के साथ ही एक साल का सेवा विस्तार भी दिया गया है। वह 31 दिसंबर 2021 को रिटायर हो रहे थे। विधानसभा चुनाव से पहले यह तैनाती काफी अहम मानी जा रही है। यूपी में जल्द ही बड़ा प्रशासनिक फेरबदल भी हो सकता है। दुर्गा शंकर मिश्रा केंद्र में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में सचिव के पद पर तैनात थे। केंद्र सरकार ने उन्हें बुधवार को यूपी के लिए कार्यमुक्त करने संबंधी आदेश जारी किया। दुर्गा शंकर यूपी के 54वें मुख्य सचिव हैं। उन्होंने 1985 बैच के आईएएस अधिकारी आरके तिवारी का स्थान लिया है। आरके तिवारी 31 अगस्त 2019 से प्रदेश के मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनका सेवाकाल वर्ष 2023 तक है। आरके तिवारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भी जा सकते हैं। वह केंद्र में सचिव पद के लिए सूचीबद्ध हैं या फिर उन्हें इसके समक्षक यूपी में ही किसी पद पर तैनाती दी जा सकती है।

दुर्गा शंकर मिश्रा आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में वर्ष 2014 से काम कर रहे थे। उन्होंने देशभर में मेट्रो रेल के साथ ही स्मार्ट सिटी, अमृत, स्वच्छ भारत मिशन, नमामि गंगे जैसी परियोजनाओं के लिए बेहतर काम किया है। यूपी केंद्र की इन योजनाओं में पहले स्थान पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उन्हें भरोसेमेंद भी माना जाता है।

पिछले सरकारों की लटकी-भटकी और अटकी योजनाएं हम पूरी कर रहे : अनुप्रिया पटेल

कानपुर, 30 दिसम्बर (एजेन्सी)। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने गुरुवार को कहा कि पुरानी सरकारों की लटकी-भटकी-अटकी परिजनाएं सरकार पूरी कर रही है। केंद्र व योगी की सरकार ने तय किया है कि किसी भी परियोजना का शिलान्यास हम करेंगे तो लोकार्पण भी करेंगे। विकास कार्यों के चलते प्रदेश की जनता हमारे गठबंधन को स्वीकारेगी। प्रदेश में अपना दल (एस) की सीटों के बंटवारे पर बातचीत चल रही है।

सर्किट हाउस में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि यह हमारा समर्पण है कि काम पूरा करेंगे। हम अच्छी नीयत व काम से आगे बढ़ेंगे। जनता यह समझ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ तीन चुनाव लड़ चुके हैं। अपना दल (एस) की भाजपा से प्रदेश के चुनाव में सीटों के बंटवारे के लिए बात चल रही है। प्रदेश में कई सीटों की सूची बनी है। अंतिम फैसला होने पर सीट पर बात हो सकती है। अभी बंटवारे की बात किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। कानपुर में कोई प्रत्याशी उतरेगा, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी कुछ भी तय नहीं है।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया के दौरान कई दल सामने आते हैं। खुद को आजमाते हैं। अपना दल व भाजपा गठबंधन के परिणाम अच्छे आए हैं। पिछले पांच साल में इस गठबंधन की विकास यात्रा बढ़ी है। अभी प्रधानमंत्री मेट्रो की सौगात दे गए। प्रेदश में एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। नए एयरपोर्ट बन रहे हैं। नया एम्स बन गया है।

स्वास्थ्य व शिक्षा की दृष्टि से काम हो रहे हैं। जनता फिर से योगी सरकार को मौका देगी। केंद्रीय राज्य मंत्री ने पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में बूथ कमेटी बनाकर सरकार के कार्य घर-घर पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से नारेबाजी लगाकर स्वागत किया।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री को कई स्थानीय नेताओं ने गुलदस्ता, पुष्प गुच्छ भेंट किए। इस पर उन्होंने कहा कि पहले भी कहा गया है कि फूल भेंट न करें। अच्छा होगा कि किसी के स्वागत में महापुरुषों के चित्र भेंट किए जाएं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com